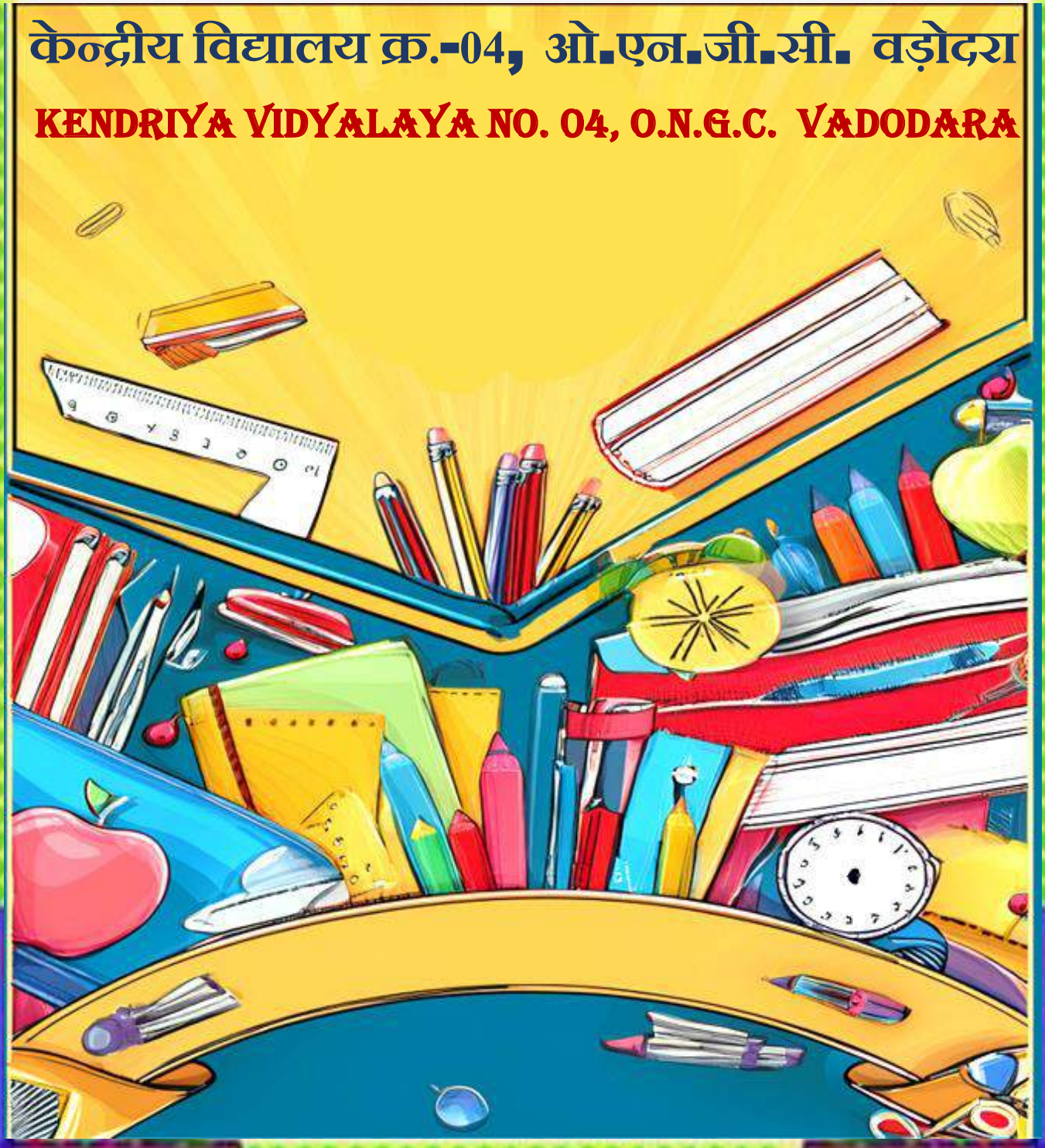
खुशबू

विद्यालय वार्षिक ई पत्रिका

सत्र - 2024-25

केन्द्रीय विद्यालय क्र.-04, ओ.एन.जी.सी. वड़ोदरा

KENDRIYA VIDYALAYA NO. 04, O.N.G.C. VADODARA



अनुक्रमणिका

पृष्ठ सं	विषय
1	संपादक –मंडल
2	संरक्षक पृष्ठ
3	सन्देश – उपायुक्त
4	सन्देश –अध्यक्ष –वि. प्र. समिति
5	प्राचार्य की कलम से
6	सम्पादकीय
7	विद्यालय –परिचय
8	परीक्षा –परिणाम
9-10	विद्यालय के चमकते सितारे
11-20	रिपोर्ट / प्रतिवेदन
21-32	उपलब्धियाँ
33-67	विविध गतिविधियों की झलक
68-70	कला विभाग
71-108	रचनात्मक अभिव्यक्ति – हिंदी विभाग /संस्कृत –विभाग
109-139	रचनात्मक अभिव्यक्ति -अंग्रेजी -विभाग
140	स्टाफ फोटो

संपादक –मंडल



डॉ. आर.के. गुप्ता
पीजीटी हिंदी
हिंदी अनुभाग



श्रीमती जतिंदर कौर
पीजीटी अंग्रेज़ी
अंग्रेज़ी अनुभाग



सुश्री जिज्ञा मकवाना
टीजीटी संस्कृत
संस्कृत अनुभाग



श्री तेजस जादव
संगीत शिक्षक
फोटो संयोजक



डॉ तरुणा माथुर
टीजीटी कला शिक्षा
(सह शैक्षणिक गतिविधियाँ) प्रभारी



श्रीमती हुमा यासमीन
पीजीटी कंप्यूटर साइंस
डिज़ाइनर एवं शुद्धिकारक

संरक्षक

श्री धर्मेंद्र पटले

उपायुक्त
केन्द्रीय विद्यालय संगठन,
अहमदाबाद संभाग, अहमदाबाद

श्री वेंकटेश्वर प्रसाद बी.
श्रीमती मीना जोशी

सहायक आयुक्त
केन्द्रीय विद्यालय संगठन,
अहमदाबाद संभाग, अहमदाबाद

श्री विकास मोहन

अध्यक्ष –विद्यालय प्रबंधन समिति
केन्द्रीय विद्यालय क्र. 4
ओ.एन.जी.सी., वडोदरा

श्री रमेश पाण्डेय

प्राचार्य
केन्द्रीय विद्यालय क्र. 4,
ओ.एन.जी.सी., वडोदरा

सन्देश –उपायुक्त

केन्द्रीय विद्यालय संगठन,
क्षेत्रीय कार्यालय, अहमदाबाद
Kendriya Vidyalaya Sangathan,
Regional Office, Ahmedabad
शिक्षा मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय/
An Autonomous Body under Ministry of Education
ज्ञानदीप, सेक्टर 30 गांधीनगर गुजरात – 382030
Gyandeep, Sector 30 Gandhinagar (Gujarat) - 382030
वेबसाइट/ Website - https://roahmedabad.kvs.gov.in/
ई-मेल/ e-mail ID – ro-ahmedabad@kvs.gov.in
☎ 079-23260361 (DC)/ 23260711(Admn./Fin)/23261360(Acad)

फा. 12029/ केविसं/क्षे.का.(अहमदाबाद)/ 2025-26/ संदेश/ दिनांक: 19.08.2025

संदेश

प्रिय विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों,

मुझे यह जानकर अत्यंत आनंद की अनुभूति हो रही है कि केंद्रीय विद्यालय, क्रमांक 04 ओएनजीसी बड़ोदरा शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए विद्यालय ई-पत्रिका का प्रकाशन कर रहा है।

विद्यालय पत्रिका विद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों एवं शिक्षा के क्षेत्र में विद्यालय द्वारा किए गए विभिन्न नवाचारों का एक दर्पण है जिससे कि विद्यालय की सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियों की झलक मिलती है। विद्यालय पत्रिका विद्यार्थियों को अपनी कल्पनाशक्ति, अभिव्यक्ति और रचनात्मकता को साझा करने का एक सशक्त मंच प्रदान करती है।

संस्कृत के एक श्लोक के अनुसार-

"विद्यालयपत्रिकायां या रचनाशक्तिरुद्भवेत्। विद्यार्थिनां सदा भूयात् प्रज्ञाविकासकारिणी॥"

अर्थात- विद्यालय पत्रिका में जो रचनात्मक शक्ति प्रकट होती है, वह सदा विद्यार्थियों के ज्ञान-विकास का साधन बनती है।

मुझे आशा है कि आपके विद्यालय द्वारा प्रकाशित की जा रही विद्यालय ई-पत्रिका विद्यार्थियों को उनके विचारों को अभिव्यक्त करने के लिए उचित वातावरण प्रदान करने के साथ-साथ उनकी सृजनात्मक और मानसिक क्षमता एवं कौशलता में वृद्धि करेगी तथा विद्यालय भी आदर्श पत्रिका को प्रकाशित कर गौरवान्वित होगा।

मैं, विद्यालय पत्रिका के सफल प्रकाशन की कामना करता हूं और प्राचार्य, सभी शिक्षकों और छात्र-छात्राओं को उनके इस प्रयास के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

(धर्मेन्द्र पटले)
उपायुक्त

सन्देश –अध्यक्ष –वि प्र समिति

ओएनजीसी
ONGC

विकास मोहन
द्रोणी प्रबंधक

Vikas Mohan
Basin Manager

पश्चिमी अभितट द्रोणी
प्रगति भवन , मकरपुरा मार्ग,
वड़ोदरा - 390009, गुजरात, भारत
Western Onshore Basin
Pragati Bhavan, Makarpura Road,
Vadodara - 390009, Gujarat, India.
+91-265-2638864 | bm_wonbasin@ongc.co.in



CHAIRMAN'S MESSAGE

It is indeed a matter of pride that K.V. No. 4 ONGC Vadodara is bringing out the latest edition of its school E-magazine "खुशबू"-2025. A school magazine is not merely a collection of writings and artwork; it is the heartbeat of the institution-showcasing the creativity, dedication, and aspirations of its young learners.

As Dr. A.P.J. Abdul Kalam once said, "Dream, dream, dream. Dreams transform into thoughts, and thoughts result in action". This magazine provides a platform where students can dream fearlessly, express freely, and transform their ideas into meaningful expressions.

The academic year 2024-25 has been a year of achievements, growth, and creativity. Our students have excelled in academics, sports, cultural events, and beyond, making the school community proud. Their contributions to this magazine reflect not only talent but also determination and passion.

I applaud the relentless efforts of the editorial team in bringing "खुशबू"-2025 to life. Your work has ensured that the magazine continues to inspire and engage readers while nurturing the spirit of innovation and collaboration among students.

As Mahatma Gandhi wisely said, "The future depends on what you do today". I am confident that our students, guided by their teachers and supported by their parents, will continue to shine and create a future full of possibilities. With best wishes for another enriching and successful year ahead.

(Vikas Mohan)
Basin Manager
Western Onshore Basin, ONGC, Vadodara
& Chairman VMC, KV No-4, ONGC, Vadodara

प्राचार्य की कलम से



शिक्षक केवल सफलता का रास्ता बता सकता है,
लेकिन उस रास्ते पर चलना आपको ही पड़ेगा।

प्रिय विद्यार्थीगण, शिक्षकगण,और अभिभावक,नमस्कार!

केन्द्रीय विद्यालय नं. 04, ONGC, वडोदरा की वार्षिक पत्रिका के लिए सत्र 2024-25 के लिए अपने विचार लिखने में मुझे बहुत खुशी हो रही है। यह वर्ष हमारे विद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर रहा है। क्योंकि हमने नई शिक्षा नीति (NEP) द्वारा लाए गए परिवर्तनकारी बदलावों को अपनाया है। एक नए दृष्टिकोण और उत्साही प्रयासों के साथ, हमारे विद्यालय ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति देखी है।हमारे विद्यार्थियों ने न केवल शैक्षिक क्षेत्र में बल्कि सह-पाठयक्रम गतिविधियों व खेलकूद में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, और संकुल, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न प्रतियोगिताओं में पुरस्कार जीते हैं। हमारे द्वारा प्राप्त किए गए सराहनीय परिणाम बच्चों की कड़ी मेहनत का प्रमाण हैं, जो हमारे समर्पित शिक्षकों और अभिभावकों के अथक समर्थन से प्रेरित हैं। हालाँकि, यह तो बस शुरुआत है। मैं आप सभी को आश्वस्त करता हूँ कि आने वाले वर्षों में हम अपनी वर्तमान उपलब्धियों को पार करने का प्रयास करेंगे और हर क्षेत्र में नए मानक स्थापित करेंगे। दृढ़ संकल्प और दृढ़ता के साथ, हमारा लक्ष्य ऐसे सर्वांगीण व्यक्तियों का पोषण करना है जो समाज में सकारात्मक योगदान देंगे।इस वर्ष उनके अथक प्रयासों और उपलब्धियों के लिए सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को मेरी हार्दिक बधाई। आइए हम नई ऊर्जा और प्रतिबद्धता के साथ उत्कृष्टता की इस यात्रा को जारी रखें।आने वाले वर्ष के लिए आप सभी को शुभकामनाएँ!

रमेश पाण्डेय
प्राचार्य,

सम्पादकीय

अपारे काव्यसंसारे कविरेक: प्रजापति: |
यथाऽस्मै रोचते विश्वं तथेदं परिवर्तते ||

संस्कृत की यह सूक्ति कवि की महत्ता का प्रतिपादन करते हुए वर्तमान काल में समाज में होने वाले परिवर्तनों की भी सूचना देती है | वर्तमान में समाज और देश में होने वाले परिवर्तन को स्पष्टत: देखा जा सकता है | यह परिवर्तन प्रत्येक स्तर पर हर क्षेत्र में हो रहा है | वर्तमान में शिक्षा पद्धति में परिवर्तन के साथ ही विद्यार्थियों की सामाजिक और मानसिक स्थिति में भी बदलाव हो रहा है | परीक्षा में उच्च अंकों से उत्तीर्ण होने की लालसा ने बालकों को बचपन से ही वंचित कर दिया है |

आज का विद्यार्थी तनावपूर्ण जीवन जीने को मजबूर है | वह चारों ओर से दबाव का अनुभव कर रहा है | विद्यालय में शिक्षकों का और घर पर माता-पिता का | हमारी अपेक्षाओं के कारण उनका जीवन तनावपूर्ण और कृत्रिम होता जा रहा है | अध्ययन के साथ ही सह- शैक्षणिक गतिविधियों मे भी उत्कृष्ट प्रदर्शन की अपेक्षा ने उसकी सोच और समझ को भी प्रभावित किया है |

इंटरनेट के सुगम प्रयोग के कारण विद्यार्थी अपना समय खेल कूद की अपेक्षा मोबाईल पर रील्स देखने और सोशल मीडिया पर अपने दोस्तों के साथ चेटिंग करने में व्यतीत कर रहा है | ऐसे समय में विद्यार्थियों को रचनात्मक कार्य हेतु प्रेरित करना थोड़ा मुश्किल तो है किन्तु यह कार्य उनके मानसिक और सामाजिक उन्नति के लिए अत्यंत आवश्यक भी है| इससे उनमें अनावश्यक तनाव को कम करके सकारात्मक परिवर्तन किया जा सकता है |

केन्द्रीय विद्यालय संगठन राष्ट्र और शिक्षा के प्रति सर्वदा सर्वथा समर्पित रहा है | विभिन्न शैक्षणिक एवं सह शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम विद्यार्थियों में राष्ट्र-भक्ति और दायित्व-बोध की भावना विकसित की जाती है| विद्यालय में यातायात-नियम, स्वच्छता- पखवाड़ा, वृक्षारोपण, युवा-दिवस, नशा-मुक्ति इत्यादि गतिविधियों के द्वारा उन्हे देश का जिम्मेदार नागरिक बनाने का प्रयास किया जाता है | विद्यालय-पत्रिका के इस अंक में इन सभी गतिविधियों की एक झलक देखी जा सकती है | अपेक्षा है कि वर्ष 2024-25 का विद्यालय पत्रिका का यह अंक आपको रुचिकर लगेगा |

डॉ राजेश कुमार गुप्ता
स्नातकोत्तर शिक्षक (हिन्दी)

विद्यालय –परिचय



ओ.एन.जी.सी. प्रांगण में स्थित केंद्रीय विद्यालय क्र 4, वडोदरा नगर के सी.बी.एस.ई.के प्रतिष्ठित विद्यालयों में अग्रगण्य है|

➢ यह विद्यालय अहमदाबाद संभाग के अंतर्गत ओएनजीसी द्वारा प्रायोजित है जिसकी स्थापना 1993 में हुई थी I

➢ वर्तमान में इस विद्यालय में लगभग 565 छात्र- छात्राएँ अध्ययनरत हैं |

➢ इसमें प्राचार्य सहित शैक्षणिक तथा गैर शैक्षणिक स्टाफ की संख्या 21 है |

➢ इस विद्यालय में कक्षा 1 से 12 तक के छात्र अंग्रेजी माध्यम से पढ़ते हैं |

➢ इस विद्यालय में 1 कंप्यूटर लैब उपलब्ध हैं।

➢ इस विद्यालय में छात्रों के लिये 1 अटल टिंकरिंग प्रयोगशाला उपलब्ध हैं।

➢ कक्षा 11वी एवं 12वी में विज्ञान वर्ग में ही अध्ययन की सुविधा उपलब्ध है।

➢ विद्यालय में एक दृष्य श्रव्य कक्ष भी उपलब्ध है।

परीक्षा –परिणाम

RESULT OF SCHOOL (NON-BOARD CLASSES)
SESSION 2024-25

CLASS	TOTAL STRENGTH	NUMBER OF STUDENTS PASSED	PASS PERCENTAGE
IV	52	52	100
V	44	44	100
VI	37	37	100
VII	47	47	100
VIII	41	41	100
IX	45	37	84.6
XI	37	33	61.5

RESULT OF SCHOOL (BOARD CLASSES)
SESSION 2024-25

CLASS	TOTAL STRENGTH	NUMBER OF STUDENTS PASSED	PASS PERCENTAGE
X	39	39	100
XII	32	31	96.9

विद्यालय के चमकते सितारे (छात्र –उपलब्धि)

सी.बी.एस.सी. में कक्षा –10 की परीक्षा-2024-25 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यालय के छात्र / छात्रा

TOPPERS (CLASS-X)



राठोड ध्यानी
94.2%



उमंग गुप्ता
94.2%



अपूर्वा सिंह
93.6%



अभिनव मिश्रा
93.2%

विद्यालय के चमकते सितारे (छात्र –उपलब्धि)

सी.बी.एस.सी. में कक्षा –12 की परीक्षा-2024-25 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यालय के छात्र / छात्रा

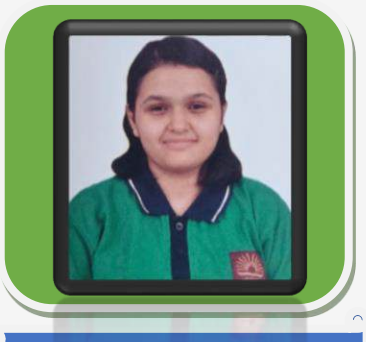
TOPPERS (CLASS-XII)



तनवीर क़ादरी
89.4%



मयंक बेलवाल
87.6%



प्रनिधि भट्ट
81.8%

विद्यालय – रिपोर्ट / प्रतिवेदन

कंप्यूटर विभाग की रिपोर्ट

आज के तकनीकी युग में कंप्यूटर शिक्षा विद्यार्थियों के समग्र विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। हमारे विद्यालय का कंप्यूटर विभाग विद्यार्थियों को नवीनतम तकनीकी ज्ञान प्रदान करने हेतु सदैव प्रयासरत है।

शिक्षण कार्य को सुचारु रूप से चलाने के लिये शिक्षकों द्वारा कंप्यूटर, आई पैड, वेब कैमरा, इंटरनेट आदि का उपयोग किया जाता हैं।

विद्यालय में 2 कक्षाओं में प्रोजेक्टर लगा हुआ है जो कि लैपटोप या आई पैड से जोड़ा जा सकता है। 4 कक्षाओं में स्मार्ट बोर्ड लगने से शिक्षण और अधिक रोचक हो गया है। साथ ही दृश्य श्रव्य कक्ष प्रोजेक्टर, कंप्यूटर से सुसज्जित है।

सत्र 2024-25 में विभाग ने कक्षा 1 से 12 तक के सभी विद्यार्थियों को उनकी कक्षा के अनुसार कंप्यूटर विषय का प्रशिक्षण प्रदान किया। कक्षाओं में छात्रों को कंप्यूटर के मूल सिद्धांतों से लेकर उन्नत विषयों जैसे कोडिंग, साइबर सुरक्षा, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीकों से अवगत कराया गया।

कौशल शिक्षा के अंतर्गत भी विद्यार्थियों ने डाटा साइंस के बारे में जानकारी हासिल की।

के.वि.सं. के निर्देशानुसार समय समय पर विभिन्न पोर्टल जैसे कि प्रेरणा, सफल, समागम आदि पर विद्यालय का नामांकन किया गया है।

यूबीआई (UBI), यूडीआईएसई (UDISE) पोर्टल का काम समयबद्ध किया गया।
विद्यालय वेबसाइट अद्यतन का कार्य भी सुचारु रूप से किया गया। सभी महत्वपूर्ण जानकारियां समय समय पर दी गई हैं।

विभाग का लक्ष्य न केवल छात्रों को तकनीकी रूप से दक्ष बनाना है, बल्कि उन्हें डिजिटल नागरिकता, नैतिक हैंकिंग और इंटरनेट सुरक्षा के प्रति भी जागरूक करना है।

हुमा यासमीन
(पीजीटी कंप्यूटर साइंस)

विद्यालय – रिपोर्ट / प्रतिवेदन

डिजिटल पहल

















विद्यालय – रिपोर्ट / प्रतिवेदन

पाठ्य सहगामी गतिविधियों की रिपोर्ट

शैक्षणिक सत्र 2024-25 में जीवंत और विविध सह-पाठयक्रम गतिविधियों की विशेषता रही, जिसका उद्देश्य छात्रों में रचनात्मकता, टीमवर्क और समग्र विकास को बढ़ावा देना था। विद्यालय प्रशासन के कुशल मार्गदर्शन में, सभी कक्षाओं के छात्रों की उत्साही भागीदारी के साथ विभिन्न प्रतियोगिताएँ और कार्यक्रम आयोजित किए गए।सत्र की मुख्य विशेषताएँसरकार द्वारा आयोजित प्रतियोगिताएँ:सत्र के दौरान सरकार द्वारा अनिवार्य कई प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं।

छात्रों ने निबंध लेखन, नारा लेखन, पेंटिंग, वाद-विवाद और प्रश्नोत्तरी जैसी गतिविधियों में असाधारण प्रतिभा और समर्पण का प्रदर्शन किया।ONGC द्वारा प्रायोजित प्रतियोगिताएँ:ONGC के सहयोग से, समूह गतिविधियों, पोस्टर मेकिंग, नाटक और नृत्य सहित कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

इन कार्यक्रमों ने छात्रों को अपनी रचनात्मक और कलात्मक प्रतिभा को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान किया। विशेष दिवस समारोह:अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, राष्ट्रीय शिक्षा दिवस, हिंदी दिवस और संविधान दिवस जैसे विशेष अवसरों को उत्साह के साथ मनाया गया।

नाटक, भाषण और सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसी विषयगत गतिविधियों ने इन समारोहों को सार्थक बनाया।वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह:26 अप्रैल 2025 को आयोजित वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में सत्र का समापन हुआ। गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए छात्रों को कुल 245 पुरस्कार दिए गए, जिनमें शामिल हैं:साहित्यिक गतिविधियाँ: निबंध लेखन, नारा लेखन, कविता पाठ और पठन प्रतियोगिताएँ।कलात्मक गतिविधियाँ: पोस्टर बनाना, पेंटिंग, रंगोली और फैंसी ड्रेस प्रतियोगिताएँ।प्रदर्शन कलाएँ: नृत्य, नाटक, नाटक और गायन प्रतियोगिताएँ।

विद्यालय – रिपोर्ट / प्रतिवेदन

खेल और खेल: व्यक्तिगत और टीम खेल आयोजन।बौद्धिक गतिविधियाँ: प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएँ, वाद-विवाद और भाषण प्रतियोगिताएँ।समूह गतिविधियाँ: सहयोगात्मक कार्यक्रम जो टीम वर्क और सौहार्द को प्रोत्साहित करते हैं। वितरण समारोह एक शानदार सफलता थी, जिसमें छात्रों की कड़ी मेहनत और उपलब्धियों को मान्यता दी गई। इसने सभी प्रतिभागियों को भविष्य के प्रयासों में उत्कृष्टता जारी रखने के लिए प्रेरित किया।निष्कर्षसत्र 2024-25 की सह-पाठयक्रम गतिविधियाँ निर्बाध रूप से आयोजित की गईं, जिससे अधिकतम छात्र जुड़ाव और भागीदारी सुनिश्चित हुई। इन गतिविधियों ने छात्रों के बीच आत्मविश्वास, अनुशासन और टीम वर्क की भावना को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे उनके समग्र विकास और विकास में योगदान मिला।यह रिपोर्ट सभी हितधारकों के लिए सत्र को यादगार और फलदायी बनाने में विद्यालय की उपलब्धियों और सामूहिक प्रयासों पर प्रकाश डालती है।

डा. तरुणा
प्रभारी
पाठ्य सहगामी गतिविधि

विद्यालय – रिपोर्ट / प्रतिवेदन

शिक्षक अभिभावक सम्मेलन

एक स्कूल के बेहतर संचालन के लिए शिक्षकों और अभिभावकों का एक साथ आना जरूरी है। एक अभिभावक निश्चित रूप से वह सब कुछ जानना चाहता है जो स्कूल में चल रहा है, जिसमें शिक्षक और स्कूल प्रबंधन भी शामिल है। यही बात शिक्षकों पर भी लागू होती है, जिसमें वे छात्रों की सामाजिक पृष्ठभूमि, रुचियों आदि को जानना चाहते हैं। यह सब वास्तव में छात्रों के लाभ के लिए काम करता है। एक छात्र के बारे में अधिक जानने से शिक्षकों को उनकी आवश्यकताओं को तदनुसार पूरा करने में मदद मिलती है। यह स्कूल में अभिभावक शिक्षक बैठक (पीटीएम) द्वारा अच्छी तरह से हासिल किया गया है।

1-यह सुनिश्चित करना कि बच्चा नियमित रूप से कक्षाओं में भाग लेता है।

2- यह सुनिश्चित करना कि बच्चा दिए गए सभी कार्यों को समय पर पूरा करे।

3-अपने बच्चे के लिए एक मित्र, मार्गदर्शक और सूत्रधार के रूप में कार्य करना।

4-यह सुनिश्चित करना कि बच्चा सभी कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं में पूरे दिल से भाग लेता है।

5- नियमित आधार पर अपने बच्चे की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करें।

6-माता-पिता के साथ पी पी टी आदि में छात्रों के प्रदर्शन को साझा करने के लिए मासिक पीटीएम आयोजित किए गए।

जतिंदर कौर
(पीजीटी अंग्रेजी)

विद्यालय – रिपोर्ट / प्रतिवेदन

विद्यालय- प्रबंध समिति की रिपोर्ट

स्कूल से संबंधित गतिविधियों के समुचित संचालन और निगरानी के लिए तीन साल की अवधि के लिए वीएमसी का गठन किया गया है। यह समिति स्कूल से संबंधित सभी मामलों पर चर्चा करने के लिए बैठक आयोजित करती है।

क) स्कूल के कामकाज की निगरानी करना।

ख) स्कूल विकास योजना तैयार करना और सिफारिश करना।

ग) उपर्युक्त सरकार या स्थानीय प्राधिकरण या किसी स्रोत से प्राप्त अनुदानों के उपयोग की निगरानी करना, तथा

घ) ऐसे अन्य कार्य करना जो निर्धारित किए जा सकते हैं।

सत्र 2024-25 के दौरान वस्तुतः तीन VMC बैठकें आयोजित की गईं।

पहली बैठक :- 20.09.2024

दूसरी बैठक :- 28.11.2024

तीसरी बैठक :- 17.03.2025



विद्यालय – रिपोर्ट / प्रतिवेदन

खेल-कूद विभाग की रिपोर्ट

शैक्षणिक वर्ष 2024-2025, केंद्रीय विद्यालय, ओएनजीसी, वडोदरा के लिए उल्लेखनीय रहा, क्योंकि हमारे विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता के विभिन्न स्तरों पर अपनी असाधारण प्रतिभा और खेलकूद कौशल का प्रदर्शन किया, जिससे विद्यालय को गौरव और गौरव प्राप्त हुआ।

- कक्षा-9 के मास्टर जीत कुमार जेठवा का चयन अंडर-17 शूटिंग वर्ग में एसजीएफआई (भारतीय खेल एवं क्रीड़ा महासंघ) के लिए हुआ है।
- कक्षा-8 की मिस वान्या मेहता ने क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में अंडर-14 बालिका वर्ग की टेनिस स्पर्धा में दूसरा स्थान प्राप्त किया और राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता के लिए चुनी गईं।
- मास्टर कक्षा बारहवीं के तिग्मायुध आर्यन ने क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में शतरंज अंडर-19 बालक वर्ग में दूसरा स्थान प्राप्त किया और राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता के लिए चयनित हुए।
- कक्षा दसवीं की कुमारी वामिका ने खो-खो अंडर-17 बालिका वर्ग में भाग लिया और क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।
- कक्षा दसवीं के श्री अथर्व शिंदे ने खो-खो अंडर-17 बालक वर्ग में भाग लिया और क्षेत्रीय स्तर की खेलकूद प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।
- कक्षा आठवीं की कुमारी वान्या मेहता ने गुजरात पर्यटन द्वारा आयोजित "जीएसटीए राज्य रैंकिंग टेनिस टूर्नामेंट" (अंडर-14 और अंडर-16 दोनों स्पर्धाएँ) में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

विद्यालय – रिपोर्ट / प्रतिवेदन

विज्ञान विभाग की रिपोर्ट

शैक्षणिक सत्र 2024-25 के दौरान विद्यालय में विज्ञान संबंधी विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

इको-क्लब में कई छात्रों ने अपनी माताओं के साथ "प्लांट फॉर मदर्स" अभियान के तहत वृक्षारोपण किया। "हर्बल गार्डन" इको-क्लब द्वारा विद्यालय में शुरू की गई एक अन्य परियोजना है।

विद्यालय स्तरीय राजकीय अंतर्राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी (आरएसबीवीपी) 2/12/2024 को आयोजित की गई और चयनित छात्रों ने 10/12/24 को केवी ओएनजीसी वडोदरा में आयोजित क्लस्टर स्तरीय प्रतियोगिता में विद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। 4 प्रोजेक्ट ने के वि नं. 3 एएफएस मकरपुरा में आयोजित केविएस क्षेत्रीय स्तर के राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शन के लिए विद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। सातवीं कक्षा के ईशान के एक प्रोजेक्ट को केविएस राष्ट्रीय स्तर के राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शन के लिए चुना गया था, जो 7 अप्रैल से 8 अप्रैल 2025 तक के वि गोल मार्केट दिल्ली में आयोजित किया गया था।

हमारे छात्र इंस्पायर अवार्ड, प्रयास, जिज्ञासा और साथी, स्कूल इनोवेशन मैराथन आदि जैसे कई अन्य कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं।

'साथी' शिक्षा मंत्रालय की एक पहल है जो कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी में मदद करती है। मास्टर युग (IX) और मास्टर जयनील (IX) को 'प्लास्टिक प्रदूषण के प्रभाव को समझना और स्थायी विकल्पों की खोज' विषय पर प्रयास कार्यक्रम परियोजना के लिए चुना गया और उन्हें युवा एवं महत्वाकांक्षी छात्रों के बीच शोध प्रवृत्ति को बढ़ावा देने (प्रयास) 2024 के अंतर्गत चुना गया।

- 33 छात्रों ने राष्ट्रीय विज्ञान ओलंपियाड में भाग लिया। 5 छात्रों को उत्कृष्टता के स्वर्ण पदक मिले।
- 37 छात्रों ने अंतर्राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड में भाग लिया। 5 छात्रों को उत्कृष्टता के स्वर्ण पदक मिले।
- 6 छात्रों ने अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान ओलंपियाड में भाग लिया।
- 25 छात्रों ने ग्रीन ओलंपियाड परीक्षा में भाग लिया। 8 छात्रों को योग्यता प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ।
- 16 छात्रों ने गणित में भारतीय ओलंपियाड क्वालीफायर में भाग लिया।
- दसवीं कक्षा के मास्टर उमंग गुप्ता को IOQM 25 में मेरिट प्रमाणपत्र मिला और
- 8वीं कक्षा के मास्टर अर्नव चौधरी को गणित ओलंपियाड में द्वितीय स्तर के लिए चुना गया।

विद्यालय – रिपोर्ट / प्रतिवेदन

Innovative Pedagogies in the Teaching of English (Classes X, XI,XII)

In line with the National Education Policy (NEP) 2020, English teaching has been reimagined through the integration of art, **ICT tools**, and **interdisciplinary activities**. The shift from textbook learning to experiential pedagogy has fostered **critical thinking, creativity, communication,** and **collaboration** across senior classes.

Class X: Creative Expressions

Activity	Strategy	Integration	Outcome
Dramatization of The Midnight Visitor	Role play with props	ICT (recorded scenes), Art (costumes)	Enhanced expression and understanding of wit
Role Play – The Proposal	Comic enactment	Social Science links	Improved collaboration and fluency
Skit – The Book That Saved the Earth	Performance + Creative Writing	Sci-fi + ICT comic strips	Boosted imagination and satire appreciation

Class XI: Collaborative Learning

Activity	Strategy	Integration	Outcome
Role Play – Mother's Day	Enactment of family dynamics	Real-life links, Drama	Developed empathy and performance confidence
Flipped Classrooms	Pre-class videos + peer teaching	Google tools, student-led sessions	Improved engagement and concept clarity
Creative Projects	Posters, Ads, Class Magazine	Art + Media Literacy	Sharpened writing, visual communication skills

विद्यालय – रिपोर्ट / प्रतिवेदन

Impact of Innovative Pedagogies

Key Impact Areas	Outcomes
Student Engagement	Active participation in storytelling, debates, role plays, and digital projects created a joyful and inclusive classroom environment.
Skill Development	21st-century skills—Critical thinking, Collaboration, Creativity, and Communication—were consistently nurtured across grades.
Art & ICT Integration	Learners explored cross-curricular themes, utilized digital tools for expression, and showcased their work on public platforms.
Cultural Sensitivity	Activities cultivated empathy, awareness of diversity, and value education through character-driven analysis and experiential tasks.
Improved Learning Outcomes	Regular formative assessments and project-based learning led to better academic performance and retention of literary concepts.

These innovative, student-centred practices have transformed English into a living, breathing subject—relevant, relatable, and rewarding. The journey from page to performance, text to technology, has empowered learners with skills for life.

Mrs Jatinder Kaur
PGT English

विद्यालय – रिपोर्ट / प्रतिवेदन

अंग्रेजी भाषा गतिविधियाँ








KENDRIYA VIDYALAYA TIMES
NO.4 ONGC,VADODARA
KVS Legacy of Learning
Motto
Tattvam pūṣaṇa apāvṛṇu
Certificate of Excellence
CONTENTS AT A GLANCE
- ABOUT "NEP"
- ACHIEVEMENTS
- ACTIVE STUDENT COUNCIL
- NCF
- CINSN
- FLN
- ATAL LAB
- ACTIVITIES
- EVENTS
- BAGLESS DAY
- HINDI PAKHWADA
- SWACHHATA PAKHWADA
- INTERACTIVE LEARNING
- CREATIVE CORNER


YOUR IDEAS, OUR ACTIONS:
Be the Change with Student Council!
HAVE A LOOK!
A student council is a group of young leaders, who work together to organize and carry out school activities and projects.
-Initiatives taken by our student council members-
SETTING UP OF HERBAL GARDENS IN SCHOOL UNDER PROMOTIONAL SCHEME OF NATIONAL MEDICINAL PLANTS BOARD (NMPB), GOVERNMENT OF INDIA
SCHOOL HEAD BOY- PRATHAM
SCHOOL HEAD GIRL -DHANWI


NEP in Action: Redefining Education for a Dynamic World
Exploring the unknown: Atal lab!
Bagless Day: From Heavy Bags to Light Minds!



उपलब्धियाँ

















विद्यार्थी उपलब्धि

- **Miss Vanya Mehta of class VIII bagged first position in "G S T A State Ranking Tennis Tournament"** (both U-14 & U-16 events) Organized by Gujarat Tourism



- **Miss Shrivani Mehta (Class XII)** represented the Vidyalaya at the **Regional National Science Day Competition** at the Vikram A. Sarabhai Community Science Centre, Ahmedabad.



- **Mas. Umang Gupta (Class X)** qualified for the next round of **Regional Mathematics Olympiad**



विद्यार्थी उपलब्धि

कला उत्सव



कक्षा VI और VII के 12 छात्रों के एक समूह ने ईबीएसबी समूह गान प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और केवी शाहीबाग, अहमदाबाद में आयोजित क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए क्लस्टर स्तर पर उनका चयन किया गया।



मास्टर नीरज कुमार (कक्षा ग्यारह) ने केवी शाहीबाग, अहमदाबाद में आयोजित कला उत्सव के अंतर्गत क्षेत्रीय स्तर की ऑन-द-स्पॉट पेंटिंग प्रतियोगिता के लिए अर्हता प्राप्त की।

विद्यार्थी उपलब्धि





कक्षा-सातवीं के ईशान सुमेध लोहकरे ने दिनांक 12-12-24 और 13-24-2012 को पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 3 एएफएस मकरपुरा, वडोदरा में आयोजित क्षेत्रीय स्तरीय "राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी (आरएसबीवीपी)" में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है।

मुख्य विषय: "सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी“

उप-विषय: संसाधन प्रबंधन

प्रदर्शनी का नाम: ईंधन प्रवाह मीटर

पश्चिम रेलवे द्वारा आयोजित अंतर-मंडलीय संयुक्त चित्रकला एवं चित्रकला प्रतियोगिता में कक्षा-7 की कुमारी राजकुमारी जोशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उन्हें प्रमाण-पत्र और 1000/- रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया।



कुमारी आराध्या कुमारी कक्षा-5 ने पश्चिम रेलवे खेलकूद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया और उन्हें स्वर्ण पदक, प्रमाण पत्र और उपहार से सम्मानित किया गया।



विद्यार्थी उपलब्धि



कक्षा 8 की कुमारी वान्या मेहता ने ओपन बड़ौदा टेनिस टूर्नामेंट अंडर-14 में प्रथम स्थान प्राप्त किया।



कक्षा 9 के मा. आयान कटकर ने के. वि. सं. संभागीय खेलकूद प्रतियोगिता 2024 में अंडर-17 बैड्मिंटन में प्रशस्ति प्रत्र प्राप्त किया।

विद्यार्थी उपलब्धि

- कक्षा-9 के मास्टर जीत कुमार जेठवा का चयन अंडर-17 शूटिंग वर्ग में एसजीएफआई (भारतीय खेल एवं खेल महासंघ) के लिए हुआ है।

- •कक्षा-12 के मास्टर तिग्मायुध आर्यन ने क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में अंडर-19 बालक वर्ग की शतरंज स्पर्धा में दूसरा स्थान प्राप्त किया और राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता के लिए चयनित हुए।

- कक्षा-10 की कुमारी वामिका ने खो-खो अंडर-17 बालिका वर्ग में भाग लिया और क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।
- मास्टर कक्षा 10 के अथर्व शिंदे ने क्षेत्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिता में लड़कों की अंडर-17 खो-खो स्पर्धा में भाग लिया और स्वर्ण पदक जीता।

ओएनजीसी द्वारा हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता के विजेता



विद्यार्थी उपलब्धि

भारतीय कला एसओएफ में स्वर्ण पदक विजेता









शिक्षक उपलब्धि





डॉ. तरुणा माथुर टीजीटी कला और श्रीमती विरल मकवाना टीजीटी कार्य अनुभव को सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार 2023-24 से सम्मानित किया गया





श्रीमती हुमा यासमीन (पीजीटी कंप्यूटर साइंस) और डॉ. तरुणा माथुर (टीजीटी कला) को समावेशी शिक्षा में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए नई दिल्ली स्थित अरबिंदो सोसाइटी द्वारा सम्मानित किया गया।

डॉ. तरुणा माथुर को समावेशी शिक्षा के अगले चरण के लिए अहमदाबाद क्षेत्र के चार शिक्षकों में से चुना गया है।

शिक्षक उपलब्धि





शिक्षा मंत्रालय
Ministry of Education
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
Department of School Education & Literacy
राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार - 2024
NATIONAL TEACHERS' AWARDS - 2024
क्षेत्रीय स्तरीय चयन
Regional Level Selection

This is to certify that Ms. DR TARUNA MATHUR has been selected by
KVS Regional Selection Committee of Region : AHMEDABAD
For further consideration by
Organization Selection Committee of KVS

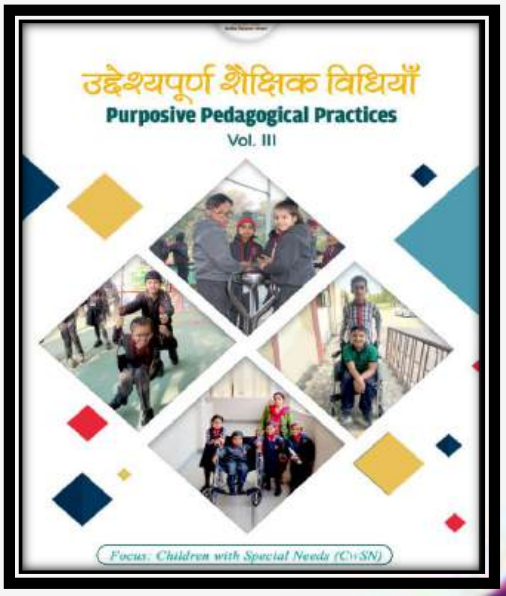
Smt Shruti Bhargava
[Deputy Commissioner KVS RO]
Prof Sonal Thareja
[Director Training IITE Gandhinagar]
Prof Jayendra Amin
[Dean SLIS Central University of Gujarat]
Signature

डॉ. तरुणा माथुर टीजीटी कला को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2024 के अगले दौर के लिए केविसं क्षेत्रीय स्तर पर चुना गया है

डॉ. तरुणा माथुर टीजीटी कला ने समावेशी शिक्षा के अंतर्गत कक्षा **VI** के मास्टर अप्रमेय आनंद पर एक केस स्टडी की है और समावेशी शिक्षा पर उनका लेख केवीएस प्रकाशन के उद्देश्यपूर्ण शैक्षणिक अभ्यास खंड-3 में प्रकाशित हुआ है।



Purposive Pedagogical Practices
2
समावेशी शिक्षा से सशक्त होता एक प्रतिभाशाली बालक



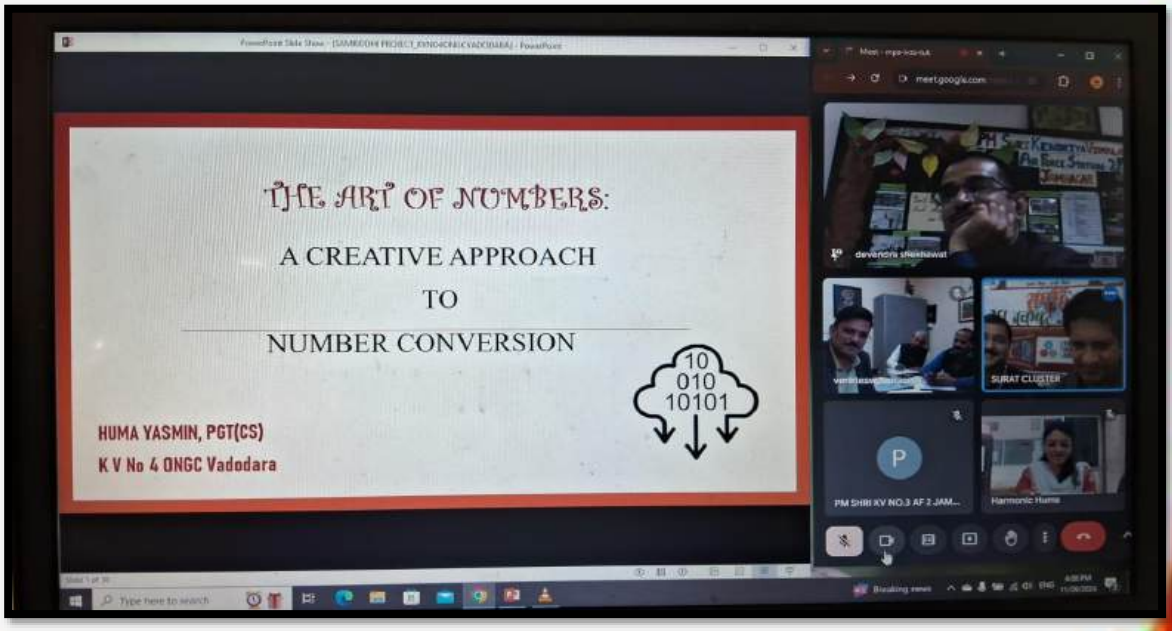
उद्देश्यपूर्ण शैक्षिक विधियाँ
Purposive Pedagogical Practices
Vol. III
Focus: Children with Special Needs (CwSN)

शिक्षक उपलब्धि



श्रीमती हुमा यासमीन (पीजीटी कंप्यूटर साइंस) ने नवंबर 2024 के अंतिम सप्ताह में आयोजित समृद्धि क्लस्टर स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया

समृद्धि राष्ट्रीय स्तर के कला उत्सव के विस्तार कार्यक्रम के रूप में शिक्षकों के लिए एक राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता है, जिसका उद्देश्य शिक्षा मंत्रालय द्वारा माध्यमिक स्तर (IX से XII) के पाठ्यक्रम क्षेत्रों को शामिल करते हुए अपनी सर्वश्रेष्ठ कला एकीकृत शैक्षणिक प्रथाओं का प्रदर्शन करना है।



शिक्षक उपलब्धि

निम्नलिखित पीजीटी और टीजीटी को दसवीं और बारहवीं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2024-25 में अपने संबंधित विषयों में केविएस राष्ट्रीय पीआई से ऊपर पीआई (प्रदर्शन सूचकांक) प्राप्त करने के लिए केवीएस द्वारा उत्कृष्टता के स्वर्ण प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया है।

		
Ms. Sangeeta Arora (PGT Physics)	Ms Vandana Sharma (PGT Bio)	Ms. Jatinder Kaur (PGT Eng)
		
Dr. R K.Gupta (PGT Hindi)		Mr. B.S. Rathore (PGT Chem.)
		
Ms. Jigna Makwana (TGT SKT)	Mr. Vikash (TGT Soc. Sc.)	Ms. Dimpi Chuphal (TGT Maths)

शिक्षक उपलब्धि

	**श्रीमती डिम्पी चुफाल** **(टीजीटी गणित)** **कक्षा 10** गणित स्टेंडर्ड - पीआई 87.5 अहमदाबाद क्षेत्र में सर्वोच्च और अखिल भारतीय केवीएस रैंक-8 गणित मूल पीआई 83.33 अहमदाबाद क्षेत्र में सर्वोच्च और अखिल भारतीय केविसं रैंक-7
	**श्री. विकास** **(टीजीटी समाज विज्ञान)** **कक्षा 10** सामाजिक विज्ञान पीआई -75.64 अहमदाबाद क्षेत्र में सर्वोच्च और अखिल भारतीय केवीएस रैंक -7
	**श्रीमती जतिंदर कौर** **(पीजीटी अंग्रेज़ी)** **कक्षा 10** अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य - पीआई-82.37 अहमदाबाद क्षेत्र में सर्वोच्च और अखिल भारतीय केविसं रैंक-8





विविध गतिविधियों की झलक

वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह





तरुणोत्सव / TARUNOTSAV





डॉ. अंबेडकर जयंती









पृथ्वी दिवस







अग्निशमन सेवा सप्ताह









स्वास्थ्य जांच






छात्रों द्वारा विवेकानन्द बुक स्टॉल का भ्रमण




एक भारत श्रेष्ठ भारत







प्रेरणा उत्सव



विश्व स्वास्थ्य दिवस/ WORLD HEALTH DAY





विश्व विरासत दिवस/ WORLD HERITAGE DAY





पुस्तकोपहार







वार्षिकोत्सव समारोह





















अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस







गुरु पूर्णिमा



स्कूल अभिमुखीकरण कक्षा ।





कक्षा 1 - विद्याप्रवेश





एक पेड़ माँ के नाम









हर्बल गार्डन



अलंकरण समारोह









O.N.G.C. द्वारा वॉकाथॉन







हजीरा में पुरातत्व विभाग द्वारा हर-घर तिरंगा रैली









स्वतंत्रता दिवस समारोह















हिंदी पखवाड़ा





शिक्षक दिवस







स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा









राष्ट्रीय पोषण माह उत्सव



ओएनजीसी द्वारा फिट इंडिया रन





राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह









बाल दिवस





सतर्कता जागरूकता सप्ताह



सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता





भारत स्काउट एवं गाइड झंडा दिवस समारोह









वार्षिक पैनल निरीक्षण









जनजातीय गौरव दिवस







संविधान दिवस





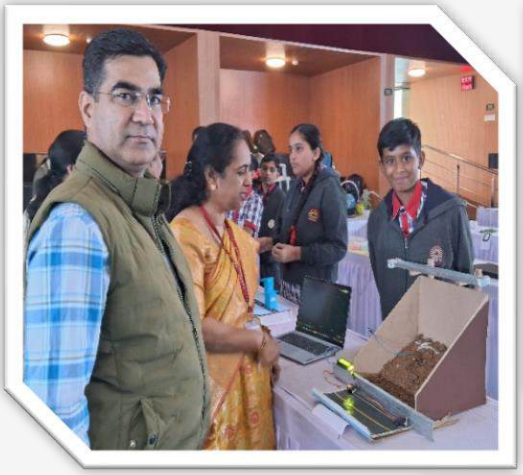
राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी















के.वि.एस. स्थापना दिवस











सहायक आयुक्त श्री वेंकटेश प्रसाद द्वारा निरीक्षण







शैक्षणिक भ्रमण


GPS Map Camera
Vadodara, Gujarat, India
856p+9c3, Maharaja Sayajirao University,
Sayajiganj, Vadodara, Gujarat 390020, India
Lat 22.310912° Long 73.186165°
05/12/24 12:12 PM GMT +05:30
Google


GPS Map Camera
Vadodara, Gujarat, India
856p+9c3, Maharaja Sayajirao University,
Sayajiganj, Vadodara, Gujarat 390020, India
Lat 22.310929° Long 73.186156°
05/12/24 12:13 PM GMT +05:30
Google


GPS Map Camera
Vadodara, Gujarat, India
856p+682, Maharaja Sayajirao University,
Sayajiganj, Vadodara, Gujarat 390020, India
Lat 22.310324° Long 73.185875°
05/12/24 12:22 PM GMT +05:30
Google






BOTANICAL GARDEN
FACULTY OF SCIENCE

वार्षिक खेल दिवस






वार्षिक खेल दिवस पुरस्कार वितरण



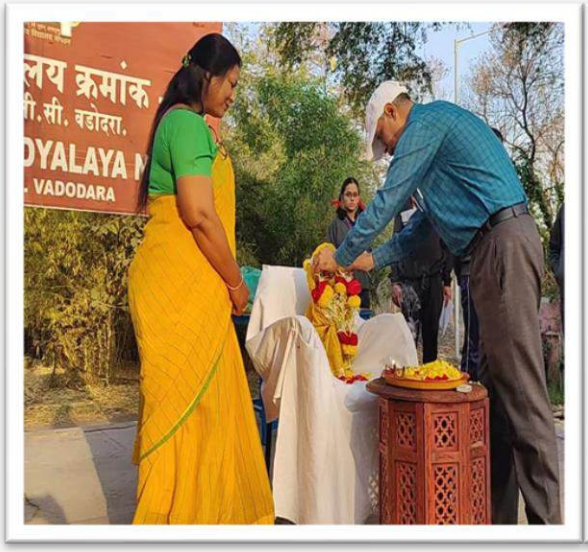



पराक्रम दिवस समारोह





वसंत पंचमी





गणतंत्र दिवस















मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

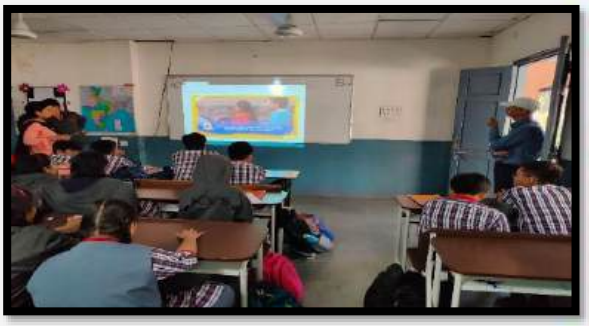






परीक्षा पे चर्चा









कक्षा दसवीं एवं बारहवीं का आशीर्वाद समारोह











शिवाजी जयंती





विज्ञान सप्ताह









सक्षम ईंधन संरक्षण अभियान



मातृभाषा दिवस









विश्व मातृभाषा दिवस पर पुस्तक प्रदर्शनी



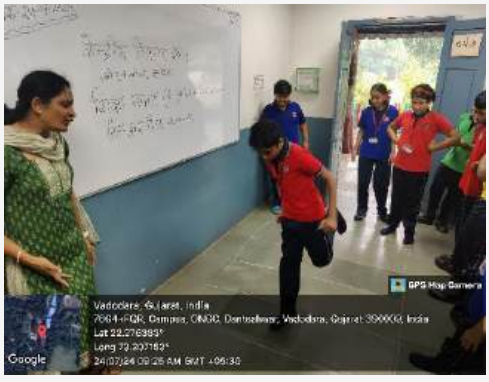


शिक्षा सप्ताह

















अभिभावक शिक्षक बैठक











कार्यशाला


WORKSHOP ON POCSO AND POSH ON 25.11.24
केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक - 04 ओ.एन.जी.सी. वडोदरा













रचनात्मक कार्य

कला विभाग















रचनात्मक अभिव्यक्ति

हिंदी विभाग



मित्रता – जीवन का अनमोल उपहार

मित्रता, एक ऐसा रिश्ता है जो खून के रिश्तों से भी बढ़कर होता है। यह वो संबंध है जो आत्मीयता, विश्वास और समझदारी पर आधारित होता है। एक सच्चा मित्र न केवल हमारी खुशी में साथ देता है, बल्कि कठिनाइयों के समय भी मज़बूती से हमारे साथ खड़ा रहता है।

मित्रता का सबसे सुंदर पक्ष यह है कि इसमें कोई शर्त नहीं होती। यह स्वतः ही पनपती है, दिल से दिल का जुड़ाव होता है। एक अच्छा मित्र हमारी गलतियों को समझता है, हमें सही राह दिखाता है और कभी भी हमें अकेला महसूस नहीं होने देता।

विद्यालय जीवन में मित्रता की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। हम अपने जीवन के सबसे सुंदर पल स्कूल के दोस्तों के साथ बिताते हैं। पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद, हँसी-मज़ाक और एक-दूसरे की मदद का सिलसिला यही से शुरू होता है। यह मित्रता आगे चलकर जीवनभर की यादें बन जाती है।

आज के डिजिटल युग में, जहाँ लोग सोशल मीडिया पर हजारों दोस्तों की सूची में खो जाते हैं, वहीं एक सच्चा मित्र वह होता है जो बिना दिखावे के हमारे दुख-दर्द में सबसे पहले पहुंचता है।

इसलिए, हमें चाहिए कि हम अपने मित्रों के साथ विश्वास, ईमानदारी और सम्मान का रिश्ता बनाए रखें। सच्ची मित्रता जीवन को सुंदर और सार्थक बनाती है।

“एक सच्चा मित्र वही है, जो उस समय आपके साथ हो जब सारी दुनिया आपके खिलाफ खड़ी हो।“

एंजल देवरे
कक्षा – दशमी



मेरी गर्मी की छुट्टियों की यात्रा – वडोदरा से द्वारका, सोमनाथ, सासन गिर और सारंगपुर

पिछली गर्मी की छुट्टियों में मैंने अपने परिवार के साथ एक बहुत ही सुंदर और यादगार यात्रा की। हमने वडोदरा से अपनी यात्रा शुरू की और सबसे पहले पहुंचे द्वारका। इससे पहले भी मैं यहाँ आ चुकी हूँ, लेकिन इस बार कुछ अलग ही अनुभव हुआ। जैसे ही द्वारकाधीश मंदिर में पहुँची, ऐसा लगा जैसे श्री कृष्ण का आशीर्वाद मिल गया हो। वहां की आरती में भाग लेने का सौभाग्य मिला और दिल को शांति मिली।

लोग बड़े गर्व से कहते हैं कि उनका राजा स्वयं श्री कृष्ण हैं। मंदिर के पास समुद्र के किनारे जाकर हमने द्वारका नगरी के अवशेष देखे। उन्हें देखकर मैं सोचने लगी कि प्राचीन द्वारका कितनी सुंदर और आधुनिक रही होगी।

इसके बाद हम सोमनाथ गए, जहाँ हर तरफ "ॐ नमः शिवाय" का जाप सुनाई देता था। वहाँ का इतिहास एक लाइट शो में देखने को मिला। बताया गया कि मंदिर को कई बार मुगलों ने लूटा और गिराया, क्योंकि वो बहुत समृद्ध था और सोने से बना था, लेकिन फिर भी खड़ा रहा। वहां बताया गया कि मंदिर में पहले एक शिवलिंग था जो हवा में तैरता था – सुन कर रोंगटे खड़े हो गए।

वहां के मंदिर की भव्यता और इतिहास ने मन को छू लिया .मैंने वहां से बहुत सुंदर और अलग-अलग प्रकार के शंख खरीदे – विष्णु शंख, दक्षिणावर्ती शंख, वामावर्ती शंख, और गणेश शंख।

इसके बाद हम सासन गिर गए, जो शेरों के लिए प्रसिद्ध है | शेर तो नहीं देख पाए, पर जंगल और वहाँ की हवा में एक गर्व था , दिल को बस “जय जय गर्वी गुजरात” गाना याद आया |



अंत में हम सारंगपुर पहुँचे, जहाँ भक्ति और शांति का अद्भुत मेल देखने को मिला। वहाँ का वातावरण बहुत ही शांतिपूर्ण और शक्तिशाली था, जैसे समुद्र की गरजती लहरों में भी एक गहरा सुकून छुपा हो।

पूरी यात्रा में समुद्र की गूँज, मंदिरों की शांति और इतिहास की झलकियों ने मेरे मन पर गहरी छाप छोड़ी। ये यात्रा मेरे लिए एक यादगार अनुभव रही, जिसमें श्रद्धा, प्रकृति और गर्व सब कुछ था। सच में, ये छुट्टियाँ मेरे जीवन की सबसे खास छुट्टियाँ बन गईं।

दिशा पटेल
कक्षा– एकादशी



एक ऐसी दुनिया के बारे में लघु कहानी जहाँ हर कोई स्वस्थ है

एक ऐसी दुनिया में जहाँ हर कोई हमेशा स्वस्थ रहता है, हवा में जीवन शक्ति भरी रहती है। बच्चे असीम ऊर्जा के साथ खेलते हैं, उनकी हँसी पार्कों में गूँजती है | जहाँ साल भर जीवंत शक्तियाँ खिलती रहती हैं। वयस्क ध्यान और उत्साह के साथ काम करते हैं | उनका शरीर मजबूत और दिमाग खुला रहता है। कोई बीमार दिन नहीं, कोई अस्पताल नहीं जाता, और कोई दुख नहीं। दुनिया ऐसे लोगों से भरी हुई है जो ऊर्जावान, खुश हैं और जीवन को पूरी तरह से जी रहे हैं। बीमारी के इलाज से लेकर सेहत को बढ़ाने तक पर ध्यान केंद्रित किया गया है। समुदाय फलते-फूलते हैं, रचनात्मकता - पनपती है, और सामूहिक भावना आशावाद और खुशी की होती है। दुनिया, जहाँ स्वास्थ्य एक स्थिर है, संतुलन की शक्ति और मानव उत्कर्ष की अंतर्निहित क्षमता का एक प्रमाण है, उस प्रकार की दुनिया एक जादू है।

एल लेनिशा रेड्डी
कक्षा – अष्टमी



एक दिन जिसे मैं कभी नहीं भूल सकती

हमारी ज़िंदगी में कुछ पल ऐसे होते हैं जो हमारे सोचने का तरीका बदल देते हैं। वो पल भले ही कुछ मिनटों के हों, लेकिन उनका असर पूरी उम्र महसूस होता है। मेरे जीवन का ऐसा ही एक दिन था — जब मैंने पहली बार मंच पर खड़े होकर पूरे स्कूल के सामने भाषण दिया।

मैं हमेशा से एक शांत और संकोची लड़की रही हूँ। जब भी कोई कहता, "तुम स्टेज पर बोलो," मेरा चेहरा पीला पड़ जाता था। दिल ज़ोर-ज़ोर से धड़कता, हाथ काँपते और गला जैसे सूख जाता। लेकिन उस दिन सब बदल गया।

वो विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस का आयोजन था। हमारी कक्षा से किसी को भाषण देना था, और ना जाने कैसे मेरे हिंदी शिक्षिक ने मेरा नाम लिख दिया। मैं डर गई, पर उन्होंने मुझे समझाया — "डर को हराकर ही आगे बढ़ा जाता है।" उन्होंने मेरा हौसला बढ़ाया

अंत में वह दिन आ ही गया। जब मेरा नाम पुकारा गया, तो दिल जैसे गले तक आ गया था। लेकिन जैसे ही मैंने माइक पकड़ा, मुझे अपने शिक्षक की आँखों में भरोसा दिखा। और उसी भरोसे के साथ मैंने बोलना शुरू किया।

हर शब्द दिल से निकला, और जब भाषण समाप्त हुआ, तो पूरे हॉल में तालियाँ गूंज रही थीं। उस पल मैं रो पड़ी — ख़ुशी के आँसू थे। मुझे लगा जैसे मैंने खुद को जीत लिया हो।

उस दिन ने मेरी ज़िंदगी बदल दी। मैं सिर्फ मंच पर ही नहीं, बल्कि अपने डर के सामने भी खड़ी हो पाई। आज जब भी मुझे कोई चुनौती मिलती है, मैं उसी दिन को याद करती हूँ और खुद से कहती हूँ — *"अगर उस दिन कर सकती थी, तो आज भी कर सकती हूँ।"*

नाम - ओमशिका राठौड़
कक्षा – दशमी



शाला मेरा दूसरा घर

कभी-कभी सोचती हूँ, मैं घर पर ज्यादा रहती हूँ या स्कूल में? फिर याद आता है – स्कूल तो मेरा दूसरा घर बन चुका है!
यहाँ भी सब कुछ घर जैसा ही है, बस थोड़े बदलाव के साथ।
👉 घर में मम्मी कहती हैं
"जल्दी उठो, देर हो जाएगी!"
स्कूल में टीचर कहती हैं –
"लेट क्यों आई? घंटी बज चुकी है!" 😅
👉 घर में पापा कहते हैं
"पढ़ाई पर ध्यान दो!"
स्कूल में टीचर कहती हैं –
"होमवर्क कहाँ है?"
मतलब घर में भी सिखाया जाता है और स्कूल में भी, फर्क इतना है कि स्कूल में डांट थोड़ी ज्यादा प्रोफेशनल होती है।
मेरे लिए शाला क्यों खास है?
क्योंकि यहाँ मैंने किताबें पढ़ी ही नहीं, बल्कि जिंदगी की बातें भी सीखी हैं।
📚 दोस्त बनाए,
🎉 स्टेज पर बोलना सीखा,
टीम वर्क किया,
और सबसे ज़रूरी – गलतियाँ करना और उनसे सीखना सीखा।
कभी-कभी लगता है...



टिफिन टाइम सबसे ज़्यादा प्यारा होता है,
PT का पीरियड मानो पंख लग जाते हैं,
और जब छुट्टी की घंटी बजे – तो दिल बोले "आज का दिन भी जीत लिया!"

एक छोटी सी सच्ची बात (थोड़ी फनी भी):

> "घर में जब मन न लगे तो स्कूल जाना अच्छा लगता है,
और स्कूल में जब मन न लगे तो घर याद आता है!"
अंत में...
मेरे दोनों घर – असली घर और मेरी शाला –
मुझे बेहतर इंसान बनाने में बराबरी से मेहनत करते हैं।
इसलिए मैं गर्व से कहती हूँ –
"शाला मेरा दूसरा घर हैं।

अलीशा सैयद
कक्षा - 11



"अपने काम को स्वयं करें और कभी हार न मानें“

मैंने यह लेख जानबूझकर छोटा लिखा है, ताकि आपको यह कभी न लगे कि — "अरे! इतना लंबा लेख कौन पढ़ेगा?" इसीलिए मैंने कम शब्दों में ज़्यादा बात कहने की कोशिश की है, ताकि आप इसे आसानी से पढ़ भी सकें और समझ भी सकें।

आज आप जो लेख पढ़ने जा रहे हैं, वह कोई साधारण लेख नहीं है। यह लेख आपको अपने कार्यों को पूरी निष्ठा से करने के लिए प्रेरित करेगा और यह भी बताएगा कि किसी भी परिस्थिति में हार क्यों नहीं माननी चाहिए।

क्या कभी आपके साथ ऐसा हुआ है कि आपने कोई कार्य पूरी लगन से शुरू किया, लेकिन वह कार्य पूरा नहीं हो पाया? दरअसल, इसके पीछे मुख्यतः दो कारण होते हैं।

पहला कारण है – दूसरों पर निर्भर रहना। अगर आप हर काम में दूसरों पर निर्भर रहते हैं, तो यह इस बात का संकेत है कि आपको खुद पर विश्वास नहीं है। और जिस व्यक्ति को खुद पर ही भरोसा नहीं होता, वह किसी भी काम में सफलता कैसे पा सकता है? आत्मनिर्भरता ही सफलता की पहली सीढ़ी होती है।

दूसरा कारण है – जल्दी हार मान लेना। अक्सर हम सोचते हैं – "छोड़ो, नहीं हो रहा है तो जाने दो।" लेकिन क्या आपने कभी खुद से यह सवाल किया है – "आख़िर क्यों नहीं हो पा रहा?" इस संसार में कोई भी कार्य असंभव नहीं है। अगर आप किसी काम को पूरी श्रद्धा, समर्पण और ईमानदारी से करते हैं, तो सफलता ज़रूर मिलती है।



जैसा कि कहते हैं –

"अगर आप किसी चीज़ को सच्चे दिल से चाहो, तो पूरी कायनात उसे आपसे मिलाने की कोशिश में लग जाती है।"

इसका एक बहुत प्रसिद्ध उदाहरण है – **एलन मस्क।** उनकी फाल्कन-1 मिसाइल 2006 से 2008 के बीच लगातार **तीन बार** फेल हुई, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और फिर लगातार 16 महीने की मेहनत के बाद, वह चौथी बार में सफल हुए। आज वह पूरी दुनिया के सबसे प्रभावशाली वैज्ञानिकों और उद्यमियों में गिने जाते हैं।

अब आप सोच सकते हैं कि – "एलन मस्क का भाग्य अच्छा रहा होगा।"
लेकिन यकीन मानिए, **सिर्फ भाग्य नहीं, बल्कि उनका निरंतर प्रयास और आत्म-विश्वास ही उनकी सफलता की असली कुंजी थी।**

क्या आपने कभी **'सक्सेस ग्राफ' (Success Graph)** के बारे में सुना है?
इस ग्राफ में सफलता की रेखा एकदम सीधी नहीं जाती, बल्कि यह धीरे-धीरे ऊपर चढ़ती है। शुरुआत में जब आप नियमित और मेहनत से काम करते हैं, तो आपको कोई खास बदलाव महसूस नहीं होता। लेकिन जब आप लगातार अपना **100% देने लगते हैं**, तो धीरे-धीरे उसका असर दिखने लगता है और एक समय ऐसा आता है जब आप **सिर्फ 1% और प्रयास करते हैं**, तो सफलता की रेखा तेजी से ऊपर जाती है।



यही ग्राफ हमें सिखाता है कि सफलता के लिए निरंतर प्रयास, धैर्य और आत्म-विश्वास बहुत जरूरी है।

निष्कर्ष

हमेशा याद रखें –

"जो अपने ऊपर भरोसा करता है, वही सच्ची सफलता पाता है।"

अपने काम को स्वयं करें, दूसरों पर निर्भर न रहें और कभी भी हार न मानें। क्योंकि सफलता उन्हीं को मिलती है, जो आखिरी दम तक प्रयास करना नहीं छोड़ते।

पढ़ने के लिए आपका धन्यवाद!

अब आप इस लेख में कही गई बातों को अपने जीवन में उतारें... और फिर खुद बदलाव को महसूस करें।

सत्यम कुमार द्विवेदी

कक्षा – नवमी



अगर मैं भारत की प्रधानमंत्री होती

अगर मैं भारत की प्रधानमंत्री होती, तो सबसे पहले मैं यह सुनिश्चित करती कि हर बच्चा स्कूल जाए और अच्छे से पढ़ाई कर सके। गरीब और मध्यम वर्ग के स्टूडेंट्स के लिए मेडिकल और साइंस की पढ़ाई सस्ती और आसान होती। हर शहर और गांव में अच्छे स्कूल और हॉस्पिटल होते।

मैं लड़कियों की सुरक्षा के लिए खास इंतज़ाम करती। जैसे हर गली में सीसीटीवी कैमरे, महिला पुलिस और लड़कियों के लिए सेफ स्पेस। मैं यह भी तय करती कि लड़कियों और लड़कों को बराबर अधिकार मिले, चाहे पढ़ाई हो या नौकरी।

मैं भारत को करप्शन फ्री बनाने की पूरी कोशिश करती। सारे सरकारी काम ऑनलाइन और ट्रांसपेरेंट होते ताकि कोई भी व्यक्ति रिश्वत देकर काम न करा सके।

देश की तरक्की के लिए मैं साइंस और टेक्नोलॉजी पर ज्यादा ध्यान देती। इंडिया में ऐसी लैब बनवाती जो नये इन्वेंशन करे – मेडिसिन, स्पेस रिसर्च और क्लाइमेट चेंज पर।

मुझे सेना पर भी गर्व है, तो मैं उन्हें और मजबूत बनाती – अच्छे हथियार, टेक्नोलॉजी और ट्रेनिंग के साथ।

मैं चाहती कि हर किसी को भरपेट खाना मिले, इसलिए मैं फूड सिक्योरिटी स्कीम्स लाती जिससे कोई भूखा न सोए।

मैं एक "आपदा राहत सेना" बनवाती जो बाढ़, भूकंप, तूफान जैसी आपदा में जल्दी राहत पहुंचा सके।

मैं एक ऐसा इंडिया बनाना चाहती जो आगे बढ़े पर सबको साथ लेकर, जहाँ हर नागरिक को बराबरी और इज्ज़त मिले।

दिशा पटेल
कक्षा –एकादशी



गर्मी छुट्टी

इस बार की गर्मी छुट्टी मेरे जीवन के अब तक की सबसे खूबसूरत और यादगार छुट्टियों में से एक थी । इस बार मै गर्मी की छुट्टी पर भिन्न-भिन्न जगह पर घूमने गया और सबसे खास बात तो यह थी कि इस बार हमारे साथ मेरी छोटी बहन भी पहली बार जा रही थी । मेरी बहन 2 साल की है और वह पहली बार बुआ के घर हमारे साथ दिल्ली जा रही थी। हम तीन दिन के लिए दिल्ली गए वहाँ खूब मस्ती की और खूब घूमे । बुआ के बच्चों के साथ खेलना खाना-पीना घूमना बहुत अच्छा लगा | पता ही नहीं चला कि कब तीन दिन निकल गए । अब हम नानी घर जाने के लिए दिल्ली मे ट्रेन में बैठ गए एक तरफ नानी घर जाने की खुशी है तो दूसरी तरफ बुआ और भाई बहनों से बिछड़ने का दुख भी आंखों में था ।

हम भाई-बहन बहुत थक गए थे, मम्मी ने बेड लगा दी फिर मैं सो गया । मेरी बहन मम्मी के साथ सो गई सुबह जब मां ने जगाया कि हम पटना स्टेशन पहुंचने वाले हैं, तो मेरी नींद खुली । मेरी बहन मुझसे पहले उठकर सामने की सीट पर बैठे बच्चों के साथ खेल रही थी । मां ने बताया मामा जी स्टेशन पर हमें लेने आने वाले हैं । हम अब नानी घर पहुंच गए | रास्ते भर मामा जी मेरी छोटी बहन को गोद लेने की कोशिश करते रहे और मेरी बहन मां के कंधे में शरमा कर अपना मुंह छुपा रही थी। नानी- नाना जी से मिलकर आशीर्वाद लिया । सब बोल रहे थे,अभिष्ट बहुत बड़ा हो गया है । मामी जी और उनके बच्चों से मिला । अब हम चारों बच्चे मिलकर खूब सारी बातें करने लगे ,तभी मेरी नजर रखे हुए आम और लीची पर गई, मै बहुत खुश हो गया । नानी ने कहा तुम सब के लिए ही सारे आम और लीची मंगवाए हैं| जाओ खाओ हम सब बच्चे खूब खुश हो गये । हमने मुंह हाथ धो कर आम और लीची का खूब आनंद उठाया ।



अभिष्ट सिन्हा
कक्षा : पंचम

शिक्षा का महत्व

शिक्षा का हमारे जीवन में विशेष महत्व है। शिक्षा केवल किताबों से जानकारी प्राप्त करना नहीं है, बल्कि यह हमें सोचने, समझने और अच्छा इंसान बनने की सीख देती है। एक शिक्षित व्यक्ति अपने जीवन में अच्छे और बुरे में फर्क करना जानता है। शिक्षा हमें आगे बढ़ने का रास्ता दिखाती है।

शिक्षा से हमारे विचार बदलते हैं। यह हमें आत्मनिर्भर बनाती है। जब हम पढ़े-लिखे होते हैं, तब हम अपने जीवन के फैसले खुद ले सकते हैं। शिक्षा हमें आत्मविश्वासी बनाती है और हमें अपने सपनों को सच करने में मदद करती है।

आज के समय में, शिक्षा हर बच्चे के लिए ज़रूरी है। पहले कुछ लोगों को ही पढ़ाई का अवसर मिलता था, लेकिन अब सरकार और समाज दोनों यह कोशिश कर रहे हैं कि हर बच्चा स्कूल जाए और पढ़े-लिखे बने। शिक्षा से ही देश की प्रगति होती है। अगर हर नागरिक शिक्षित होगा, तो देश में बेरोजगारी और गरीबी कम होगी।

हमें नियमित रूप से पढ़ाई करनी चाहिए, शिक्षकों का आदर करना चाहिए और शिक्षा को अपना सबसे अच्छा मित्र समझना चाहिए। शिक्षा ही हमारा भविष्य है।

देवांश
कक्षा – दशमी



साइबर सुरक्षा और बढ़ते साइबर फ्रॉड

आज का युग डिजिटल युग है। हम जितनी तेज़ी से तकनीक की ओर बढ़ रहे हैं, उतनी ही तेज़ी से ऑनलाइन धोखाधड़ी और साइबर अपराधों का ग्राफ भी ऊपर जा रहा है। चाहे ऑनलाइन बैंकिंग हो, सोशल मीडिया, ई-कॉमर्स या सरकारी पोर्टल्स – हर जगह डेटा शेयर हो रहा है, और वहीं से साइबर फ्रॉड शुरू होता है।

साइबर अपराधी अब पहले से ज़्यादा स्मार्ट हो चुके हैं। वे फिशिंग, मैलवेयर, रैनसमवेयर, और सोशल इंजीनियरिंग जैसी तकनीकों का इस्तेमाल कर लोगों को ठगते हैं। वे फर्जी वेबसाइट्स बनाकर यूज़र्स से उनके बैंक डिटेल्स, OTP, आधार नंबर जैसी संवेदनशील जानकारी चुरा लेते हैं।

एक आम व्यक्ति जो तकनीक को सिर्फ इस्तेमाल करता है, लेकिन समझता नहीं — वह सबसे आसान टारगेट बन जाता है। उदाहरण के तौर पर, कई बार हमें बैंक या सरकारी एजेंसी के नाम से कॉल आती है, और हम भरोसा करके सारी जानकारी शेयर कर देते हैं। नतीजा – बैंक अकाउंट खाली!

साइबर सुरक्षा सिर्फ सरकार या कंपनियों की जिम्मेदारी नहीं है, ये हर यूज़र की व्यक्तिगत जिम्मेदारी भी है। हमें ये सीखना होगा कि अपने डिवाइस को सिक्योर कैसे रखें:

- पब्लिक वाई-फाई से संवेदनशील काम ना करें
- दो-स्तरीय सत्यापन (2FA) एक्टिव रखें
- एंटीवायरस और फायरवॉल का इस्तेमाल करें
- हर लिंक पर क्लिक करने से पहले सोचें
- और सबसे ज़रूरी – अपनी जानकारी को "डिजिटल गोल्ड" समझें



भारत सरकार ने “डिजिटल इंडिया” का सपना देखा है, लेकिन उस सपने को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी हमारी भी है। हमें न सिर्फ खुद को जागरूक बनाना है, बल्कि अपने आस-पास के लोगों को भी साइबर सुरक्षा के प्रति सतर्क करना है।

आज की दुनिया में जानकारी ही सबसे बड़ा हथियार है — और अगर वो गलत हाथों में चली जाए, तो सिर्फ पैसे का ही नहीं, पहचान, भविष्य और मानसिक शांति का भी नुकसान हो सकता है।

निष्कर्ष:

साइबर सुरक्षा अब ऑप्शन नहीं, एक अनिवार्यता बन चुकी है। जागरूक नागरिक बनो, डिजिटल रूप से सशक्त बनो — ताकि आने वाला भविष्य सुरक्षित, स्मार्ट और भरोसेमंद हो।

दिव्यांशा शर्मा
कक्षा-नवमीं



योग से तनाव प्रबंधन

आज की भागदौड़ वाली जिंदगी में तनाव हमारी जीवनशैली का अभिन्न अंग बन चुका हे और इस हकीकत को चाहे हमें पसंद हो या ना हो स्वीकार करना ही चाहिए। सभी तरह के तनाव नुकसान दायी नहीं होते। हमारे कार्य प्रदर्शन के लिए कुछ हद तक हल्का तनाव जरूरी भी हे। इस प्रकार के तनाव को सकारात्मक तनाव कहते हे। सकारात्मक तनाव का इस्तेमाल सर्जनात्मक तरीके से कार्य क्षमता को बढ़ाने के लिए किया जा सकता हे। इसीको तनाव प्रबंधन कहा जाता हे।

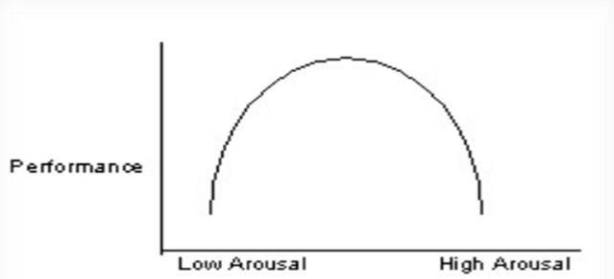


Fig. 1

प्रस्तुत तस्वीर में कार्यक्षमता vs उत्तेजना का ग्राफ दिखाया गया हे। इसमे देखा जा सकता है कि जैसे जैसे उत्तेजना का स्तर बढ़ता जाता है , कार्यक्षमता बढ़ती जाती है । लेकिन एक स्तर से ज्यादा उत्तेजना बढ्ने पर कार्यक्षमता कम होती जाती हे जो कि नकारात्मक तनाव के असर को दिखाती हे। तनाव हमें शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से प्रभावित करता है । तनाव प्रबंधन के लिए समय प्रबंधन, नियमित व्यायाम, पर्याप्त आराम और योग का नियमित अभ्यास जरूरी है । योग के कुछ आसन आपको तनाव प्रबंधन मे काफी लाभदायी साबित हो सकते हे।



प्राणायाम

स्वास और मन एक दूसरे से जुड़े हे। जब भी आप तनाव महसूस करें तो आप प्राणायाम का अभ्यास करें।

•एक मिनट के लिए शांति से बैठे। अपनी पीठ को एकदम सीधा रखे।

•आँखें बांध रखे, दिमाग को शांत रखे |

•धीरे से गहरी सांस लीजिये। और धीरे से सांस छोड़े।

•यह क्रिया 10 से 12 बार दोहराइए।



बालासन

•कूल्हों और एडी की मदद से बैठ जायें।

•आगे की और झुके और सर को जमीन पर रखें।

•दोनों हाथो को आगे बढ़ाकर जमीन पर रखें।

•कुछ देर इसी मुद्रा में रहे और फिर एडी पर बैठ जाएँ।

•बालसन से शरीर को आराम मिलता है । मन को शांति और नई ऊर्जा मिलती है । पीठ दर्द, कमर दर्द, गरदन और कंधो के दर्द से राहत मिलती हे।





सुखासन

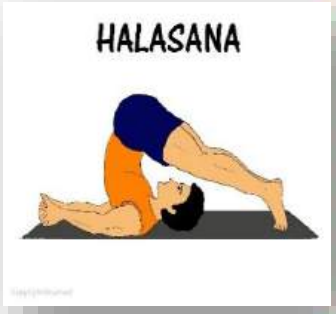
•सबसे पहले पैरों को लंबा कर के बैठ जाएँ।
•दाएँ पैर को मोड कर बाएँ जांघ के नीचे दबाएँ।
•बाएँ पैर को मोड कर दाहिनें जांघ के नीचे दबाएँ।
•कमर, गरदन और सर को सीधा रखें।
•दोनों हथेलियों को जांघों पर रखें।
•कंधों को आरामदायक स्थिति में रखें।
•आँखें बांध करके गहरी सांस ले।
•इसी स्थिति में कुछ देर रहें।



•यह आसान सरल एवं मानसिक और शारीरिक रूप से बहुत ही लाभदायी हे। इसके नियमित अभ्यास से तनाव, अवसाद और कई सारी मानसिक समस्याओं से छुटकारा पा सकते हे।

हलासन

1. सबसे पहले पीठ के बल लेट जाएँ।
2. गहरी सांस ले कर अपने दोनों पैरो को धीरे से ऊपर उठाए।
3. दोनों पैरों को सर के पीछे की ओर ले जाकर जमीन पर रखे।
4. इस स्थिति में अपनी साँसों को सामान्य बनाए रखे।
5. 30 सेकंड तक इस स्थिति में रहने के बाद पूर्ववर्त स्थिति में
   आ जाएँ।





शवासन



यह आसन सबसे सरल माना जाता है लेकिन यह सबसे कठिन आसन है ।इसमे सिर्फ लेटना नहीं होता बल्कि अपने मन की भावनाओं और शरीर की थकान दोनों पर एक साथ नियंत्रण पाना होता हे। योग सेशन के अंत मे ये आसन किया जाता है । इस आसन को तब भी किया जाता है जब आप बहुत थक गए हो और आपको थोड़ी देर में काम पर वापस लौटना हो।

•कमर के बल लेट जाएँ।
•दो पैरो के बीच लगभग 2 फुट का फांसला रखे।
•दोनों हथेलियों को उपर की ओर रखे।
•दोनों हाथो को धड़ से 45 डिग्री का अंतर रखे।
•अब इसी स्थिति में आंखे बंद करके धीमी और गहरी सांस लीजिये।
•5 से 10 मिनट तक यह क्रिया करते रहे।

झरना मयूर त्रिवेदी
कक्षा –पंचमी



धरती की पुकार

धरती बोली धीरे से, सुनो ज़रा इंसान,
मैंने तुमको जीवन दिया, फिर भी तुम अंजान।

हरियाली थी आँचल मेरा, नदियाँ मेरी बात,
पेड़ों की थी छाँव सुनहरी, फूलों की सौगात।

पर तुमने क्या कर डाला है? काटे सारे पेड़,
जंगल रोए, नदियाँ सूखी, काँप उठी हर भेड़।

पल-पल गर्मी बढ़ती जाए, साँसें भी हो भारी,
तुम्हीं ने तो बिगाड़ी है मेरी ये दुनिया सारी।

अब भी वक्त है सोचो तुम, लौटो फिर से प्यार,
पेड़ लगाओ, जल बचाओ, ना हो फिर तकरार।

मैं तो माँ हूँ, सबकी जननी, सह लूँ हर संताप,
पर यदि मैं रूठ गई, तो फिर मिलेगा ना कोई आप!

जीत कुमार
कक्षा – दशमी



अगर किताबें बोल पातीं

सोचो, अगर किताबें भी बोल सकतीं,
तो लाइब्रेरी होती कोई कॉफी शॉप x गॉसिप क्लब का क्रॉस ओवर—
जहाँ पन्ने पलटने से पहले किस्से पलटते,
और चुप्पी से ज़्यादा शोर होता, पन्नों और पैरों का!

📖 पुरानी किताबें बोलतीं—
भाई, धूल की allergy हो गई है, कोई हमें पढ़ भी लिया करे!
हमारे टाइम पे तो लोग लाइन लगाते थे लाइब्रेरी में!

✨ नई किताबें बोलतीं—
देखा, कितने लोगों ने हमारी selfies लीं,
पर पढ़ा किसी ने नहीं! बस aesthetic चाहिए अब सबको!

😢 पढ़ाई वाली किताबें बोलतीं—
तुम हमें सिर्फ तब याद करते हो जब तुम्हें फेल होने का डर लगता है!
कम से कम मैं तो इमोशनल हूँ, तू तो सीधा दिमाग में दर्द देती है!



😂 कॉमिक्स किताबें बोलतीं—
कम से कम हमने तो तुम्हें हँसाया,
और वो भी बिना syllabus के!

🔒 डायरी बोलती—
तेरे सारे डार्क सीक्रेट्स मेरे पास हैं,
पर मैं फिर भी चुप हूँ। Privacy का सच्चा उदाहरण!

📜 इतिहास की किताब बोलतीं—
लोग कहते हैं हम बोर हैं,
पर भाई! हमने ही बताया कि दुनिया घूमें कैसे!

🔬 विज्ञान की किताब बोलतीं—
तुम Newton की बातें तो करते हो,
पर हमारी gravity कब पकड़ोगे?

ईशिता बेलवाल
कक्षा –नवमी



विज्ञान वरदान या अभिशाप

संसार में हर चीज के दो रूप होते हैं - एक जो फायदेमंद होता है और दूसरा जो हानिकारक होता है। विज्ञान भी इसका एक नमूना है।

विज्ञान एक शक्ति है, जो नित नए आविष्कार करती है। यह शक्ति न तो अच्छी है, न बुरी । अगर हम उस शक्ति से मानव-कल्याण के कार्य करें तो वह .वरदान. प्रतीत होती है। अगर उसी से विनाश करना शुरू कर दें तो वह .अभिशाप. बन जाती है।
विज्ञान ने वरदान के रूप में बहुत स्थानों पर विजय पाई है। विज्ञान ने चिकित्सा के क्षेत्र में जो सहायता की है, वह अविस्मरणीय है। विज्ञान ने ऐसे रोगों के रोकथाम के साधन प्रदान किए हैं जिनका इलाज संभव नहीं था। विज्ञान ने अंधों को आँखें दी हैं, बहरों को सुनने की ताकत। आज विज्ञान ही तो है जिसकी सहायता से सारे काम चुटकी में हो जाते हैं।

जैसे कोई जानकारी प्राप्त करनी हो या कोई प्रश्न हल करना हो, हर चीज अब विज्ञान की सहायता से संभव है। इसके अलावा आज विज्ञान ने यातायात को इतना आसान और सुविधाजनक बना दिया है कि हम अपनी इच्छा और सामर्थ्य के अनुसार बेहतर साधनों का प्रयोग कर सकते हैं। बस, गाड़ी, वायुयान आदि ने स्थान की दूरी को बाँध दिया है ।



टेलीफोन की सहायता से आज हम कभी भी कहीं भी मौजूद रहकर एक दूसरे से बातचीत कर सकते है। हमने आज समुद्र की गहराइयाँ भी नाप डाली हैं और आकाश की ऊँचाइयाँ भी। हमारे टी.वी., रेडियो, वीडियो में मनोरंजन के सभी साधन कैद हैं। सचमुच विज्ञान .वरदान. ही तो है।

विज्ञान अभिशाप के रूप में - मनुष्य ने जहाँ विज्ञान से सुख के साधन जुटाए हैं, वहाँ दुख के अंबार भी खड़े कर लिये हैं । विज्ञान के द्वारा हमने अणु बम, परमाणु बम तथा अन्य ध्वंसकारी शस्त्र-अस्त्रों का निर्माण कर लिया है । वैज्ञानिकों का कहना है कि अब दुनिया में इतनी विनाशकारी सामग्री इकट्ठी हो चुकी है कि उससे सारी पृथ्वी को अनेक बार नष्ट किया जा सकता है।

इसके अतिरिक्त प्रदूषण की समस्या बहुत बुरी तरह फैल गई है । नित्य नए असाध्य रोग पैदा होते जा रहे हैं, जो वैज्ञानिक उपकरणों के अंधाधुंध प्रयोग करने के दुष्परिणाम हैं।



वैज्ञानिक प्रगति का सबसे बड़ा दुष्परिणाम मानव-मन पर हुआ है । पहले जो मानव निष्कपट था, निस्वार्थ था, भोला था, मस्त और बेपरवाह था, वह अब छली, स्वार्थी, चालाक, भौतिकतावादी तथा तनावग्रस्त हो गया है। उसके जीवन में से संगीत गायब हो गया है, धन की प्यास जाग गई है । नैतिक मूल्य नष्ट हो गए हैं। निष्कर्ष–वास्तव में विज्ञान को वरदान या अभिशाप बनाने वाला मनुष्य ही है। उसे वरदान या अभिशाप बनाना मानव के हाथ में है । इस संदर्भ में एक उक्ति याद रखनी चाहिए–.विज्ञान अच्छा सेवक है लेकिन बुरा हथियार भी ।.

विज्ञान की महिमा, अपरंपार,

जीवन को देता है नया आकार।

कभी वरदान, कभी अभिशाप,

मनुष्य के हाथ है इसका हिसाब।

वैष्णवी गुप्ता

कक्षा – 11



बचपन

बचपन क्या है? किसी के लिए मजेदार तो, किसी के लिए सजा है। किसी ने खूब दोस्त बनाएं है तो किसी ने खूब यादें। पर सबने अपना बचपन तो जिया ही है।

यह किसी का ऐसा समय है जो लौट के कभी नहीं आता , हम जितना भी चाहे वो दिन कभी भुला नहीं पाते। वो स्कूल में टीचर के साथ शरारतें हो या फिर सोसाइटी में ही किसी आंटी के साथ की गई छोटी सी मस्ती।

बचपन किसी भी बच्चे का जिंदगी का पहला चरण है जिसको सब पसंद करते है। गुस्सा भी आ जाया करता है कभी – कभी जब मम्मी – पापा बोला करते कि खाली खेलती रहती हो | तब मन किया करता था कि अब जल्दी से बड़े हो जाए। पर अब एक बार बड़े हो जाने के बाद , किताबो के बोझ सर पर पड़ने के बाद समझ आने लगा है कि क्या पीछे छूट गया है।



बुरा तो उन बच्चो के लिए लगता है जिन्होंने अपना बचपन कोविड–19 में बिताया है। कैसे काटे होंगे उन्होंने वो 2 साल घर के अंदर , जैसे बन गया था वही घर उनके लिए एक जेल।

जब 2 साल बाद घर के बाहर निकले तो पता चला कि सारा बचपन तो मोबाइल फोन ले गया , जिसके हाथ में देखा उसके हाथ फोन आ गया।

अब कहाँ रह गए वो बचपन के दिन ? जब सब साथ खेला करते और बनाते थे कुछ यादें। अब तो सब अपने में और फोन में ही व्यस्त हैं , न ही किसी के पास खेलने का न ही बात करने का समय रह गया है।

अंबिका झा

कक्षा -11



भारतीय सेना

- देश पर कोई खतरा आता है, तो हमारी सेना उसे रोकने के लिए सबसे पहले खड़ी होती है। भारतीय सेना में बहुत सारे जवान होते हैं जो अपने परिवार से दूर रहकर देश की सेवा करते हैं।
- सेना के तीन भाग होते हैं – थल सेना (जमीन पर लड़ने वाली), वायु सेना (आकाश में लड़ने वाली) और नौसेना (पानी में लड़ने वाली)। ये तीनों मिलकर हमारे देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं।
- सेना में भर्ती होना बहुत ही गर्व की बात मानी जाती है। इसके लिए बहुत मेहनत करनी पड़ती है। जवानों को कड़ी ट्रेनिंग दी जाती है ताकि वे हर मुश्किल समय में देश की रक्षा कर सकें।
- हमें अपनी भारतीय सेना पर गर्व है। उसके बिना हमारा देश सुरक्षित नहीं रह सकता। हमें उनके त्याग और बलिदान को हमेशा याद रखना चाहिए।

भारतीय सेना की बहादुरी पर दो छंद
धरती माँ की गोद में जो,
जग से न्यारी शान हैं।
सीमा पर खड़े जवान,
भारत की पहचान हैं।
तूफानों से लड़ते हैं वो,
बर्फीले पर्वत चढ़ते हैं।
रेगिस्तान की रेत मैं तपकर,
विजय पताका गढ़ते हैं।

भूमिका पाण्डेय
कक्षा –नवमी



जितना भूलते हैं, उतना बनते हैं!

कभी पढ़ते-पढ़ते सोच ठहर जाती है,
सवालों में साँसें भी उलझ जाती हैं।
शब्द तो आते हैं, उत्तर भी लिखते हैं,
पर हर पंक्ति के पीछे कुछ और दिखते हैं —
शायद वही हम हैं, जो भीतर लिखे रहते हैं।

कमरे की दीवारें चुपचाप सुनती हैं,
नींद और तनाव — खिचड़ी-सी बुनती हैं।
कभी टाइमटेबल बन जाए नियम,
तो कभी हो सज़ा का ही एक भरम।
पर उसी में किसी रोज़
एक आदत उग आती है —
जो गिरे हुए को भी फिर से उठाती है।

स्क्रीन पे धुँधले से चेहरे दिखते हैं,
हर फिल्टर में कुछ सच छिपते हैं।
घंटों बीतते हैं — खुद को टालते हुए,
बस दूसरों की ज़िंदगियाँ स्क्रॉलते हुए।

पर एक पल आता है,
जहाँ सब शोर थमता है,
और अंदर से कोई आवाज़ कहती है —
"अब भी बचे हो, बस थोड़ा सा धुंधला हो।"

हरलीन कौर
कक्षा – बारहवीं



'क्वायट क्विटिंग' और स्कूल

पिछले कुछ वर्षों में “क्वायट क्विटिंग” शब्द ने दुनियाभर में कार्यस्थलों पर ध्यान आकर्षित किया है। इसका तात्पर्य है केवल उतना काम करना जितना आवश्यक है, ना इससे अधिक और ना ही कम। यह सोच अब शिक्षा क्षेत्र में भी प्रविष्ट हो गई है। दुनिया के कई स्कूलों में छात्र धीरे-धीरे, लेकिन स्पष्ट रूप से, अपनी पढ़ाई से दूरी बना रहे हैं।

छात्र स्कूल आते हैं, लेकिन पूरी तरह से संलग्न नहीं होते। वे कुछ कार्य करते हैं, लेकिन कोई उत्साह नहीं दिखाते। वे परीक्षा में पास होते हैं, लेकिन अपनी पूर्ण क्षमता से प्रयास नहीं करते। यह स्थिति शिक्षकों, मनोवैज्ञानिकों और शिक्षा नीति निर्माताओं के लिए चिंता का कारण बन गई है

क्या छात्र मानसिक रूप से थक चुके हैं और अगर हां, तो क्या स्कूलों को अब कुछ बदलने की ज़रूरत है?

स्कूलों में 'क्वायट क्विटिंग' क्या है?

शिक्षा के क्षेत्र में, क्वायट क्विटिंग का अर्थ है छात्रों का धीरे-धीरे केवल न्यूनतम प्रयास करना। यह खुला विद्रोह या स्कूल छोड़ने जैसा नहीं है, बल्कि एक चुपचाप होने वाली दूरी है। छात्र कक्षा में होते हैं, लेकिन मन और भावना से जुड़े नहीं होते।



2023 की छात्र सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार, केवल 47% अमेरिकी हाई स्कूल छात्र ही अपने स्कूल से जुड़ाव महसूस करते हैं । जो पिछले वर्षों की तुलना में गिरावट दर्शाता है। भारत, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप के कई हिस्सों में भी इसी प्रकार की प्रवृत्तियां देखी गई हैं, विशेष रूप से COVID-19 महामारी के बाद।

यह चलन क्यों बढ़ रहा है?

बर्नआउट और अत्यधिक दबाव-

अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन की रिपोर्ट के अनुसार, स्कूल के समय के दौरान किशोरों में तनाव का स्तर वयस्कों के समान होता है। लंबे समय तक पढ़ाई, असाइनमेंट और सह-पाठ्यक्रमीय गतिविधियों का बोझ छात्रों को थका देता है।

महामारी के बाद की सीखने की थकान-

UNESCO की एक 2022 की रिपोर्ट ने "वैश्विक सीखने के संकट" की चेतावनी दी थी। महामारी के दौरान ऑनलाइन पढ़ाई और सामाजिक अलगाव के कारण कई छात्र मानसिक रूप से शिक्षा से अलग हो गए हैं।

पाठ्यक्रम से असंबद्धता-

OECD की 2024 रिपोर्ट के अनुसार, 60% से अधिक छात्र मानते हैं कि स्कूल उन्हें जीवन के लिए तैयार नहीं करता। इससे उदासीनता और रुचि की कमी पैदा होती है।



यह हानिकारक है या एक आत्म-सुरक्षा उपाय?

कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि "क्वायट क्विटिंग" एक मानसिक प्रतिक्रिया है, और इसे केवल लापरवाही नहीं माना जाना चाहिए। येल यूनिवर्सिटी के भावनात्मक बुद्धिमत्ता विशेषज्ञ, डॉ. मार्क ब्रैकेट के अनुसार, जब छात्र पढ़ाई से दूर होने लगते हैं, तो यह इस बात का संकेत होता है कि वे थक चुके हैं, तनाव में हैं, और उन्हें महसूस होता है कि उनकी समस्याओं को कोई नहीं सुन रहा है।

उनके अध्ययन में यह सामने आया है कि अधिकांश छात्र स्कूल को एक ऐसी जगह के रूप में देखते हैं, जहाँ उन्हें नकारात्मक भावनाएँ जैसे ऊब, थकान और निराशा का सामना करना पड़ता है। इस मानसिक स्थिति में, छात्र अक्सर बाहरी तौर पर सामान्य नजर आते हैं, लेकिन अंदर से वे जुड़ाव की भावना खो देते हैं।

लेकिन लंबे समय तक इस तरह की दूरी अकादमिक प्रदर्शन, आत्म-विश्वास और भविष्य की योजनाओं पर नकारात्मक असर डाल सकती है। शिक्षक भी कहते हैं कि अब कक्षा में भागीदारी और रुचि बनाए रखना पहले से कहीं ज़्यादा कठिन हो गया है।



छात्रों के लिए एक व्यावहारिक नोट

यदि आप या आपके आसपास के छात्र पढ़ाई में रुचि खोते नज़र आ रहे हैं, तो यह सोचने का समय है: क्या यह तनाव, ऊब या असंबद्धता के कारण हो रहा है? कारण को समझना समाधान की दिशा में पहला कदम हो सकता है।

समाधान हमेशा अधिक मेहनत नहीं, बल्कि तरीका बदलने में हो सकता है जैसे:

- समय का सही प्रबंधन
- छोटे लक्ष्य तय करना
- दोस्तों से चर्चा करना

क्वायट क्विटिंग हमेशा किसी बड़ी समस्या का संकेत नहीं होता। यह अक्सर ऐसे समय पर उभरता है जब हम थके होते हैं और बिना बोले दूरी बना लेते हैं। इसे समय रहते समझ लेना, और छोटे-छोटे बदलाव करना ही सबसे प्रभावी उपाय है।

एक अंतिम विचार

अंत में, यह ध्यान देने योग्य है कि स्कूल एक जटिल ढांचा है, जिसमें हर छात्र के लिए एकल समाधान सही नहीं होता। लेकिन जब छात्र अपनी सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं, न केवल पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए, बल्कि उसकी गहरी समझ के लिए, तो तब परिवर्तन की संभावनाएं बढ़ जाती हैं।



यह लेख सवालों के जवाब देने के लिए नहीं, बल्कि चिंतन के लिए लिखा गया है:

- क्या आपको समझने में मदद मिल रही है?
- क्या आपकी पढ़ाई आपके लिए कुछ खास महत्व रखती है?
- और आप इसमें कैसे फिर से जुड़ सकते हैं, भले ही थोड़ा ही सही?

शिक्षा सबसे बेहतर तब होती है जब छात्र केवल अपेक्षाओं को पूरा करने के बजाय, अपने अनुभव को आकार देने में सक्रिय रूप से शामिल होते हैं।

पियूषी कुसुमाकर

कक्षा –बारहवीं



"पोर्टल के पेंच“

NEP, NIPUN, DIKSHA की रेल,
हर दिन नई रिपोर्ट का मेल।

SAMAGAM, UDISE, UBI का काम,
शिक्षक बोले – “पढ़ाएँ कब हम राम?”

नित नये Govt. के पोर्टल भारी
Gateway Error ने ली नींद हमारी।

बुखार, सिर दर्द साथी हैं अपने
फिर भी देखे विकसित भारत के सपने

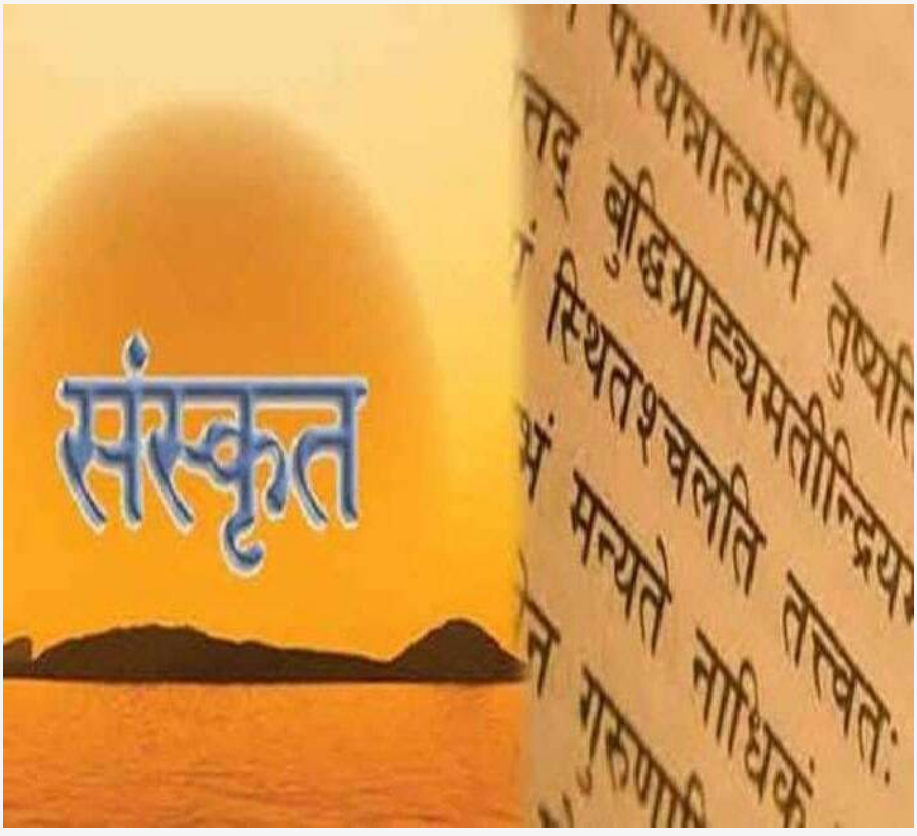
फिर भी हँस कहते KV के शिक्षक,
“उज्ज्वल भविष्य के हम हैं **रक्षक**!”

हुमा यासमीन
पी. जी. टी. कंप्यूटर साइंस



रचनात्मक अभिव्यक्ति

संस्कृत –विभाग



प्रेरणादायक संस्कृत पंक्तियाँ

उद्यमेन हि सिद्ध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।
केवल इच्छाओं से नहीं, परिश्रम से ही कार्य सिद्ध होते हैं।

वीर भोग्यं वसुन्धरा।
धरती पर अधिकार केवल वीरों का होता है।

असाध्यम् साधयेत् प्राज्ञः।
बुद्धिमान व्यक्ति असम्भव को भी सम्भव बना देता है।

यत्र इच्छा तत्र मार्गः।
जहाँ इच्छा होती है, वहीं मार्ग मिल जाता है।

धैर्यं सर्वत्र साधनम्।
धैर्य हर कार्य की सफलता का साधन है।

हुमा यासमीन
पी.जी.टी. कंप्यूटर साइंस



Creative Expression

अंग्रेजी –विभाग

ENGLISH DEPARTMENT



DEEPAWALI

Diwali holidays are about to come. Mummy has already started cleaning the house. Like every year, this year also we are going to the village to visit our grandparents. Our village is in Samastipur district of Bihar, I was born in Vadodara city of Gujarat. Every year we go to the village to celebrate Diwali and Chhath Puja. I get a different kind of happiness by going to the village. Mummy is buying lots of clothes from the market for Diwali. Whenever we go to the village, I have seen that mummy brings some gift or the other for everyone. We celebrate many festivals between Diwali and Chhath Puja. We all celebrate Bhai Dooj, Chitragupta Puja and then the four-day holy festival of Chhath Puja together. The whole house is busy cleaning and shopping for the festival. I really like going to the ghat during Chhath Puja. I still love the fragrance of the soil of the village and the sweet dishes. Really, there is something unique about the village. I love my village very much.

NAME - ABHEESHT SINHA
CLASS – V



Being the topper in your class as a student is a unique and powerful feeling. Here's how you might describe or reflect on it:

Being the topper in class feels like standing on a mountain you've climbed step by step. It's a mix of pride, relief, and quiet pressure. You feel proud of your hard work paying off, knowing the late nights, sacrifices, and discipline led somewhere meaningful. People start seeing you differently—teachers expect more, classmates notice you more, and some may even envy or admire you.

But beyond the recognition, there's a deeper satisfaction: proving to yourself that you can achieve something big with consistency and focus. At the same time, it brings a sense of responsibility—to stay humble, to help others, and to keep pushing your own limits. It's not just a title—it's a journey, a mindset, and a quiet reminder that success is earned, not given.

NAME - Ruhani Gill
CLASS - V



India’s Nuclear Power Program and Nuclear Policy

In November 1954 Dr. Homi bhabha, the father of india’s nuclear power program, presented india’s three stage nuclear power program(use of uranium and thorium) in a conference which focuses the use of thorium instead of uranium as a fuel as india has more than 25% of world’s thorium reserves comparing to 1-2% of uranium. The conference was also attended by then prime minister of india Mr. Jawahar lal Nehru. After four years in 1958 Govt. of India formally adopted the three stage NPP. India is a leader in thorium based research and most committed nation as far as thorium as a fuel is used no other country has done neutron physics work on thorium. Bhabha Atomic Research Centre has the highest number of research in the area of thorium. India has most innovative and ambitious nuclear energy program such that only US and Russia is ahead of it.As per the study of DAE the india’s nuclear energy share will increase to 8% by year 2032 and will be 16% by 2052.



The first nuclear power plant of india was established in Tarapur, Maharashtra (Tarapur Atomic Power station) in 1969 by BWR(Boiling Water Reactor) technology supplied by US. In 2008 India- Us signed treaty of International Civil Nuclear cooperation Agreement in which US supplies nuclear technology and fuel between two countries.Nuclear supplier group gives waiver to india to access the civilian nuclear technology and fuel from other countries.

As of year 2025 india has total 25 nuclear reactors working in 8 Atomic power stations with total installed capacity of 8880 MW.

Nuclear Weapons program:

India conducted two nuclear tests in the past history

1. **Pokharan-1** (smiling budhdha):

Date : May18,1974

Location : Pokharan, Rajastan

Significance: india's first nuclear test which made it world's sixth nuclear power



2. Pokharan-2 (Operation Shakti):
Date : May11 and 13,1998
Location : Pokharan, Rajastan
Significance: Demonstrated india's ability to develop advance nuclear weapons including thermonuclear device.

Nuclear Policy of India:
Nuclear policy of india is based on two main principles "credible minimum deterrence" and "No first use"India maintains strict controls on nuclear and missile materials management. India always participate in global disarmament effort.
The main factors of india's nuclear doctrine are as follow:

1. **Credible minimum deterrence** : India have sufficient nuclear arsenal but not for offensive purpose.
2. **No first use**: it will not initiate nuclear attack but will use only for retaliation purpose
3. **Retaliation in massive**: if india is attacked by nuclear weapons then response from india will be massive and will cause significant damage to attacker.
4. **Civilian control** : civilian political leadership is responsible and authorized as Nuclear command authority.
5. **Non use against non nuclear weapon states**.: india will not use its nuclear weapons against Non nuclear weapon states.



6. Exception for chemical and biological weapons: india reserves rights to retailiate with nuclear weapons in case if it is attacked by chemical or biological weapons by enemies.

Non proliferation and disarmament

Strict control : india will maintain strict control over export of nuclear and missile related materials.
Engagement in disarmament : india always participate in global disarmament activity.
Commitment to nuclear weapon free world: india always advocate the nuclear weapon free world and join the hands with nations with similar thoughts.
Rejection of NPT : considering the national interest india has not signed Non proliferation treaty as it is discriminatory in nature.
Focus on peaceful use of nuclear energy: india focus on the peaceful use of nuclear energy and technology.

Student name - Zarana Mayur Trivedi
Class – V



Operation Sindoor: A Mission of Courage and Compassion

In 2024, amidst growing turmoil in parts of the Middle East, a quiet yet powerful operation unfolded—one that would reaffirm India’s deep commitment to its citizens abroad. Named Operation Sindoor, this mission wasn’t just about military logistics or diplomacy—it was about human lives, families waiting anxiously back home, and a nation stepping up when it mattered most.

The word Sindoor—a traditional red vermillion worn by married Indian women—symbolizes protection, care, and sacred responsibility. The choice of this name was no accident. It reflected the Indian government's promise to ensure the safety and dignity of its people, even in the most dangerous corners of the world.

Operation Sindoor was launched as violence escalated in several conflict-ridden regions, leaving many Indian nationals trapped and desperate for a way out. The Indian Armed Forces swung into action. With the Indian Air Force's C-17 Globemasters and the Navy’s ships on standby, teams coordinated tirelessly with local embassies and the Ministry of External Affairs to reach stranded citizens. It wasn’t just a show of military efficiency—it was a display of compassion under pressure.



What made Operation Sindoor truly stand out was its spirit of inclusivity. Alongside Indian nationals, the operation extended help to citizens from neighboring countries as well. This gesture of goodwill not only saved lives but also strengthened India's standing as a responsible and compassionate regional power.

Behind the scenes were countless stories of bravery—pilots flying into unstable airspace, diplomats negotiating with local authorities, and exhausted families finally stepping onto Indian soil with tears of relief. These human moments were the heartbeat of the mission.

More than just a successful evacuation, Operation Sindoor reflects India's evolving approach to global challenges—what many now call a "citizen-first foreign policy." In a world of shifting alliances and growing uncertainty, India has sent a clear message: it will go the distance for its people.

As the world takes note of India's expanding global footprint, missions like Operation Sindoor remind us that strength is not just measured in force, but in the willingness to protect and care for one's own- whoever they may be.

Name- Divyansha Sharma

Class - IX



A Trip to Udaipur – The City of Lakes

Introduction

Days comes and pass by no one remembers them until a specific day becomes memorable. One such day was the visit to Udaipur. In this his summer holidays, I got the opportunity to visit a city in Rajasthan known for its stunning lakes, royal palaces, and historic charm. I travelled there with family and spent three memorable days exploring its beauty.

Day 1 – Arrival and City Exploration

We reached Udaipur by our personal car in the morning hours. After checking into our hotel, we started our journey with a visit to the City Palace. The palace was grand and beautifully maintained, showcasing royal Rajasthani architecture and offering breathtaking views of Lake Pichola.

In the evening, we went on a boat ride on Lake Pichola, which gave us a close view of the Lake Palace and Jag Mandir. The cool breeze, calm waters, and golden sunset made the ride magical and memorable for ever.



Day 2 – Palaces and Culture

On the second day, we visited the famous Sajjangarh Palace, also known as the Monsoon Palace. It is located on a hilltop and offers a panoramic view of the city and its lakes.
Later, we explored the Bagore Ki Haveli, where we saw traditional Rajasthani costumes, puppets, and art. In the evening, we attended a folk dance and puppet show held there—it was colourful, rhythmic, and full of Rajasthani spirit.

Day 3 – Nature and Shopping

Our final day began with a peaceful visit to Saheliyon Ki Bari, a beautiful garden with fountains, marble structures, and lotus pools. Then we went shopping in the local markets. I bought some handmade souvenirs, miniature paintings, and traditional jewellery.
Before heading back, we tasted some authentic Rajasthani dishes like dal baati churma and gatte ki sabzi.



Conclusion

My trip to Udaipur was like stepping into a royal painting—full of colour, culture, and calm. The hospitality of the people, the historical richness, and the scenic lakes made it a truly unforgettable experience. I would love to visit again and explore even more hidden gems of this beautiful city. In the next summer holidays I eger to explore another such city.

NAME - OMSHIKHA RATHORE
CLASS - X



WHAT SKILLS AND WHY SKILLS HAVE SIGNIFICANCE IN TODAY'S WORLD?

In today's rapidly changing world, the demands on individuals—especially students—are higher than ever before. It's no longer enough to simply excel in academics; the ability to navigate the complexities of life requires a diverse set of skills. From managing personal well-being to excelling in the professional world, certain skills are now more urgent than ever. Here are some of the key skills and why they are vital :

1. Adaptability and Digital Literacy

Technology is transforming every aspect of our lives, from how we communicate to how we work. The ability to adapt and stay current with technological advancements is crucial. Digital literacy, or the ability to use technology effectively and safely, is no longer optional. Students who are tech-savvy and can navigate digital spaces efficiently will have a clear advantage in their future careers.

Furthermore, the world changes at a rapid pace, and adaptability has become a core life skill. The ability to learn new things quickly, adapt to new environments, and accept change can make all the difference in success, whether in education or work.



2. Problem-Solving and Critical Thinking

In a world full of challenges, problem-solving and critical thinking are essential. Whether you're facing academic obstacles, career decisions, or life's uncertainties, being able to think logically and critically to solve problems is vital. These skills allow individuals to analyze situations, come up with effective solutions, and make informed decisions.

With so much information available, it's easy to become overwhelmed. Critical thinking helps filter out distractions, focus on what's important, and make choices that lead to personal growth and success.

3. Emotional Intelligence and Stress Management

As the pace of life accelerates, stress is becoming a constant companion for many. With the increasing pressures of school, career goals, and personal life, stress management is critical to maintaining well-being. Emotional intelligence—the ability to understand and manage your emotions, as well as empathize with others—is a fundamental skill. It helps build stronger relationships, reduce conflicts, and maintain a healthy mental state.

Learning to regulate emotions and take proactive steps toward self-care can prevent burnout, making these skills crucial for long-term happiness and success.



4. Financial Literacy and Independence

In today's society, it's not just about knowing how to earn money, but also how to manage it. Financial literacy—the ability to budget, save, and invest—is more important than ever. It empowers individuals to make smart decisions with their finances, avoid debt, and build financial security for the future.

The earlier one learns these skills, the better equipped they will be to handle the financial challenges of adulthood. Moreover, financial independence is directly tied to self-reliance, boosting confidence and giving individuals greater control over their lives.

5. Communication and Collaboration

Effective communication is at the heart of all successful relationships, whether personal or professional. Today, we are constantly engaging with people from diverse backgrounds, making it even more important to master clear and open communication. It allows us to share ideas, influence others, and connect on a deeper level.

Equally important is the ability to collaborate. Whether it's in school projects, workplace teams, or social settings, being able to work harmoniously with others is a critical skill. In a world that thrives on cooperation, those who can contribute effectively to a team are more likely to succeed.



6. Innovation and Creativity

The world doesn’t just need consumers—it needs creators. As technology and industries evolve, innovation becomes the key to progress. Creative thinking allows individuals to see problems from new angles and come up with solutions that weren’t thought of before. This skill is highly valued in almost every field, from business to the arts.

Innovation is driven by curiosity and a willingness to experiment. Whether designing new products or improving existing systems, the ability to create is becoming an essential skill for the future.

7. Goal Setting and Motivation

Without clear goals, it's easy to feel lost in the fast-paced world around us. Setting achievable goals provides direction and purpose. Motivation is the fuel that keeps us moving forward, even when obstacles arise. Without it, it’s difficult to remain focused on long-term objectives.

Effective goal setting and maintaining motivation not only help achieve success but also provide a sense of accomplishment and fulfillment in life.



CONCLUSION:-

In an age where change is constant, the ability to adapt and equip yourself with essential skills will determine success. The skills mentioned—digital literacy, critical thinking, emotional intelligence, financial literacy, communication, creativity, and goal setting—are no longer just nice-to-have; they are must-have skills that enable individuals to thrive in the complex world around them.
Which skill will you start mastering today?
The future won't wait – but you can be ready for it.

NAME - HARLEEN KAUR

CLASS - XII



Unfolding

They ask you early “What will you be?”
Before you’ve even learned to just be free.
Before your voice has found its sound,
They want your future safe and bound.
A form, a box, a ticking chart,
As if your path is just one part.
As if your heart already knew
What it's still growing into.
And you weren’t one thing, not black or white,
Not red with certainty or yellow bright.
You lived between—sea-glass green,
Stormy lilac, soft unseen.
The kinds of shades that hide from view
Unless someone truly sees you.
You didn’t walk with a perfect plan,
Just a feeling—and that’s how it began.
A step, then another, maybe not right,
But even the wrong turns can lead to light.
No one tells you the world gets loud
When you're a teen in a pressing crowd.
Fifteen, sixteen, seventeen
And all the questions in between:
PCM or PCB? Doctor? Engineer? What will you be?
PCMB? One more load—
As if your soul's a code to decode.
Science or arts? Safe or bold?
Choose before your dreams unfold



But how do you choose what feels so far
When you don’t yet know who you are?
Your heart is still learning what it loves—
Not charts and facts, but stars above.

No one tells you that choosing science
doesn’t mean you leave behind
your poems behind
your metaphors and your sky-filled mind.
That choosing math doesn’t mean it can’t reside
right next to a warm, creative side.
And art,
art doesn’t mean you and numbers can’t get along.
No one tells you
that science and soul can walk side by side
That steady hands can still dream wide.
That even those who aim with grace,
might miss the hearts right in their place.
That logic and wonder can both belong
That strength can still be moved by song.
And maybe someone, somewhere near,
Is watching you and cheering here.
It’s all a matter of how you see,
and I just want to say
Come look with me.
It’s not weak to say, “I’m not sure.”
That’s not failure—it’s something pure.



Even if you choose and it feels wrong,
You’re not broken—you still belong.
You’re not behind. You’re just beginning.
Not failing—but quietly winning.
Life’s not a single-subject test
It’s every shade. It’s all the rest.
So pick a color. Try it out.
Paint with joy, not fear or doubt.
Mix your palette. Make your own.
You don’t have to walk alone.
You don’t need to see the end
To start, to grow, to break, to bend.
So dip your brush into the sky.
Ask no more what, when, or why.
One day you’ll look and gently see
You weren’t lost. You were becoming…
You were unfolding beautifully.

NAME – PIYUSHI KUSUMAKAR

CLASS- XII



Aiming High in Lucknow: My Rifle Shooting Journey

In November 2023, I had the opportunity to represent in rifle shooting at a notable event in the historic city of Lucknow. The opening ceremony on 2nd November marked the start of a journey that was competitive and cultural.

From the very first day, the energy was electric. Surrounded by fellow participants from across the country, the spirit of sportsmanship and camaraderie was strong. Beyond the excitement of competition, Lucknow showed us its rich heritage and vibrant culture.

One unforgettable experience was exploring the Bara Imambara, a marvel of Mughal architecture. Walking through its large arched halls and admiring its intricate design left me in awe. Next to it stood the majestic Rumi Darwaza, often called the "Gate of Lucknow," a symbol of the city's grandeur.

We also enjoyed some modern leisure at Lulu Mall, where the variety of shops and food options provided a nice break from our sporting schedule..



The highlight of our explorations was definitely the mysterious Bhul Bhulaiya. Navigating its winding corridors was both thrilling and fun; it offered a great mix of history and adventure.

chikankari kurta, a timeless piece of Lucknow’s traditional hand embroidery—a perfect souvenir to remember the trip.

The days flew by, each filled with new memories, friendships, and personal growth. Finally, on 9th November, the farewell ceremony arrived. As we said goodbye, there was a shared feeling of accomplishment and nostalgia. We had come not just to compete but to experience, and we did both wholeheartedly.

Lucknow gave me more than a platform for sports; it gave me stories, laughter, culture, and a better appreciation of our country's rich diversity. This journey will always have a special place in my heart.

NAME - Jeetkumar Jethwa
CLASS - X



THE HUM IS GONE

The hum is gone, air lies still,
No golden wings on the morning hill.
The flowers weep in muted tones,
Their colours fade, their hearts alone.
Petals fall like unanswered pleas,
For the silent flight of vanishing bees.
The orchards ache, the forests mourn,
The cycle breaks, the earth is torn.
Pesticides rain, their poison deep,
Hives are hollow, the fields, asleep.
Without their song, life starts to fray,
A fragile world slipping away.
Rise now, before it's too late,
To mend the bonds we desecrate.
For every bee that fades to dust,
A piece of life betrays our trust.
Restore their flight, their sacred hum,
Or face a future cold and numb.

NAME – CHAITANYA
CLASS - XII



The Journey of Dreams

The path ahead may seem unclear,
But the heart whispers, "Do not fear."
With every step, a story unfolds,
Of dreams untold, of hearts so bold.

The road is long, the night is deep,
But dreams are worth the climb so steep.
The stars above, they guide the way,
Through darkest hours, to light of day.

The winds may blow, the storms may roar,
But with each challenge, we learn more.
The world is wide, the sky so vast,
A journey of dreams, a journey that lasts.

So walk, dear friend, with hope anew,
For every step brings dreams in view.
The journey of dreams is yours to make,
With each new dawn, a chance to wake.



The Hidden Magic of School Life

School is often seen as a place of textbooks, exams, and early mornings. But if we look closer, it's much more—it's a world filled with hidden magic.

Every classroom is a stage where new ideas are born. From group projects to debates, we learn to think, speak, and grow together. The blackboard is more than just chalk and dust; it's where dreams first take shape.

Friendships built in school are special. They're formed over shared lunchboxes, last-minute homework help, and secret jokes in the back benches. These bonds often last a lifetime, even if the classroom bell no longer rings for us.

Even challenges like tough subjects or failures teach us resilience. They remind us that success isn't just about marks—it's about trying again, and learning from every stumble.

So, let's cherish this magical journey. Because one day, we'll look back and realize these were some of the best years of our lives.

Name – Angel Devre
Class – 10th



LIFE IS A

Life is a opportunity
Seize the day, livee each day to the fullest
Life is not a project
but a journey to be enjoyed
Life is a gift , accept it
enjoy it, and be happy with it
Life is a challange
but challengers can always be overcome
Life is to be lived,
not to be dreamed
Life is a wonder,
if you sit back and be thankful.
Life is a decision each of us makes,
To be happy or sad.
Life is a time
For new beginning and endings.
Life is a balance,
Take time for play not just work.
Life is a joy
For those who are optimistic.
Life is a bundle of possibilities
If you just look for them.
Life is meant to do, not to regret.
Life is no bed of roses
But life is what you make it.

NAME – Shailja,, CLASS - X



As the clock says NINE

When I close my eyes,
As the clock says nine
What scraps my soul
Is the absence of light!

Say what's light?
Mere crowd of photons,
Says science
Though I say, It's peace of mind,
Though I say ,it's the oneiric of mine

Say what's oneiric?
Mere imagination, says science
Though I say it's blue, which calls me through
I lose myself, and say it's you!

Say who're you?
Merely someone says the crew,
Though I say it's life
The life where we're destined

Say who're we?
You and your dreams,
Says the light
Though I say it keeps me alive
Just waste of time, says my mind
When I close my eyes and the clock says nine!!

NAME - Vasnavi
CLASS - XII



Operation Sindoor

On April 22, 2025, terrorists of *The Resistance Front (TRF)* massacred 26 civilians in Baisaran meadow, Pahalgam (J&K), separating victims by religion before killing them. This brutal act deeply shook the nation.

In response, India launched Operation Sindoor on the night of May 7–8, 2025. The name symbolized the grief of widows whose *sindoor* was wiped away. In a 22-minute strike, the Army, Air Force, and Navy jointly destroyed nine terror bases in Pakistan and PoJK, killing over 100 terrorists of Lashkar-e-Taiba, Jaish-e-Mohammed, and Hizbul Mujahideen.

The attack used Rafale and Sukhoi jets, BrahMos and SCALP missiles, HAMMER bombs, and kamikaze drones. India's S-400 and Akash defense systems successfully blocked Pakistani counter-attacks. No Indian casualties occurred.

Operation Sindoor became a symbol of justice and resilience, honoring the women of Pahalgam and sending the world a clear message: India will strike decisively against terrorism while safeguarding its citizens.

Name -APOORVA SINGH KUSHWAHA
Class :XI



THE POWER OF MENTAL WELL-BEING

If you catch a cold, you rest, take medicine, and take care of your body. But what about your mind? Do you nurture it the same way when you feel stressed, anxious, or overwhelmed? Mental health is not just the absence of illness; it's about how we think, feel, and cope with life's challenges. It shapes our thoughts, emotions, relationships, and decision-making. Just as we eat healthy and exercise to keep our bodies fit, we must also take care of our minds.

It is normal to feel nervous before an exam or a competition, just as it is natural to experience joy, excitement, or disappointment in different situations. The mind, like the body, goes through ups and downs. Good mental health helps us handle stress, stay focused, feel confident, and build strong relationships. Imagine carrying a backpack full of heavy books all day; that's how our minds feel when we don't manage stress and emotions properly. To lighten the load, it is essential to prioritize mental well-being.

Talking about feelings is one of the best ways to maintain mental health. Bottling up emotions only makes things harder, while sharing them with a trusted friend, teacher, or family member can provide relief and clarity. Practising gratitude and positive thinking also makes a significant difference.



Simply writing down three things to be grateful for each day can shift focus from problems to possibilities. Taking care of the body through regular exercise, nutritious food, and sufficient sleep plays a crucial role, as physical health and mental health are deeply connected. Even a simple activity like dancing for ten minutes can instantly boost one’s mood.

Managing stress the right way is important. Deep breathing exercises, listening to music, reading, or taking a walk can be effective methods of relaxation. Worrying, after all, is like a rocking chair—it keeps one busy but gets one nowhere. Being kind to oneself is another key to mental well-being. Everyone makes mistakes, but instead of seeing failure as an endpoint, it should be viewed as a learning experience. Changing perspectives from "I failed" to "I learned something new" makes a world of difference. As Dan Millman said, "You don’t have to control your thoughts. You just have to stop letting them control you."

Mental health is like an "invisible fitness level" for the mind. Think of it like a mobile phone—when the battery is low, one feels exhausted and stressed; when there is no signal, one feels disconnected; but when fully charged, confidence and enthusiasm thrive. Just like charging a phone, the mind also needs to be recharged regularly.



As the saying goes, "Your mind is a garden, your thoughts are the seeds. Grow flowers, not weeds."
A healthy mind creates a happy life. It is essential to check in with ourselves and with those around us. Talking about emotions, seeking help when needed, and supporting friends in tough times are signs of strength, not weakness. Let’s take a pledge to care for our minds as much as we care for our bodies, to spread kindness, and to seek help when necessary. After all, no mountain is too high, no valley too deep—strength lies within each of us, waiting to shine.

Mrs. Jatinder Kaur
PGT English



विद्यालय परिवार



NAMASTE